1 बिना नाम की नदी (कविता)

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– **1.** स्वयं करें। **2.** स्वयं करें।
3. भैंसें नदी में नहाने के लिए जा रही हैं। **4.** स्वयं करें।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– **1.** नदी में कीचड़, सिवार और जलकुंभियाँ हैं।
2. नदी पर भैंस नहाने के लिए आती है।
3. नदी पर झुम्मन मियाँ मछली पकड़ने आते हैं।
4. झुम्मन मियाँ नदी से मछलियाँ, झिंगे और सिवार ले जाते हैं।
5. स्वयं करें।

भाषा-बोध

(क) निम्नलिखित शब्दों का अपने शब्दों में वाक्य-प्रयोग कीजिए–

उत्तर– चीरती – अँधकार की **चीरता** प्रकाश फैल गया।
कीचड़ – **कीचड़** वाले तालाब में कमल दल खिला।
तलाश – पुलिश को चोर की **तलाश** थी।
एकटक – चोर सेठ की मुद्रा को **एकटक** देख रहा था।
मछलियाँ – नदी में बहुत सी **मछलियाँ** थीं।

(ख) अनुनासिक चिह्न (ँ) किस शब्द पर होना चाहिए? लिखें–

उत्तर–

(मियां)	अंदर	संसार	पंद्रह
चीजें	अंगद	लाखों	(टोलियां)
बंदूक	(गांव)	झंडा	संज्ञा
(पांच)	सुंदर	तुरंत	आनंद
अंत	(छांटो)	(आंखों)	(बांधा)

(ग) निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर– नदी – **सरिता** **सरि** **तटनी**
सूरज – **सूर्य** **रवि** **भानु**

कुम्भ	–	**घड़ा**	**घट**	**कलश**
मछली	–	**मत्स्य**	**मीन**	**झष**
पानी	–	**जल**	**नीर**	**अम्बु**

(घ) निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन बनाइए–

उत्तर–	नदी	**नदियाँ**	मछली	**मछलियाँ**
	बंसी	**बंसियाँ**	थैला	**थैलों**
	किनारा	**किनारों**		

आइए कुछ करें

1. स्वयं कीजिए **2.** स्वयं कीजिए

3. गंगा, यमुना, गोदावरी, नर्मदा, महानदी आदि।

4. वर्षा के मौसम में।

5. स्वयं करें।

कल्पना की दुनिया

उत्तर– स्वयं करें।

हमने सीखा

उत्तर– पढ़िए और समझिए।

वर्तनी-बोध

उत्तर– पढ़िए और समझिए।

2 सुंदरता कर्म से सिद्ध होती है (कहानी)

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. बारहसिंगा को अपनी सुंदरता पर घमंड था।

2. मेढक ने बारहसिंगा से कहा कि तुम बहुत सुंदर हो तुम्हारे सींग भी बहुत सुंदर और मजबूत हैं परंतु तुम्हारे पैर तुम्हारी सुंदरता के अनुरूप नहीं हैं।

3. बारहसिंगा अपनी जान बचाने के लिए शिकारी कुत्तों से डरकर भाग रहा था।

4. अंत में मरने से पहले वह इस बात को जान गया कि किसी चीज की सुंदरता उसके कर्म से सिद्ध होती है।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. बारहसिंगा खूब स्वस्थ और सुंदर दिखाई देता था।

2. मेढक ने बारहसिंगा से कहा कि– "इतना सुंदर बारहसिंगा और ऐसे कुरूप पैर। यह तो ईश्वर ने अनर्थ किया है तुम्हारे साथ।"

3. बारहसिंगा ने सोचा कि मैंने भगवान का क्या बिगाड़ा था जो मुझे इतने भद्दे पैर दे दिए।" और वह दुखी हो गया।

4. बारहसिंगा को दौड़ते हुए समझ में आ गया कि–"मैं अपने पैरों को लंबे, पतले और भद्दे समझता था, जबकि वही मरे प्राण बचाना चाहते थे।

5. इस कहानी से शिक्षा मिलती है कि किसी भी चीज की सुन्दरता उसके कर्म से सिद्ध होती है।

(ग) सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाओ–

उत्तर– 1. मेढक **2.** शिकारी कुत्ते

(घ) निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– 1. उसे अपनी **सुंदरता** पर बहुत घमंड था।

2. एक दिन वह **झील** पर जाकर पानी पीने लगा!

3. उन्होंने उसका सुंदर शरीर **नोचना-खसोटना** शुरू किया।

4. मैं अपने पैरों को लंबे **पतले** और **भद्दे** समझता था।

(ङ) सही गलत लिखिए–

उत्तर– 1.	बारहसिंगा खूब स्वस्थ और सुंदर था।	**सही**
2.	बारहसिंगा के पैर बहुत खूबसूरत थे।	**गलत**
3.	बारहसिंगा के पीछे शिकारी कुत्ते लगे थे।	**सही**
4.	मेढक ने बारहसिंगा की खूब बुराई की।	**गलत**

भाषा-बोध

(क) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर– स्वस्थ	**अस्वस्थ**	दुर्भाग्य	**सौभाग्य**
सुंदर	**कूरूप**	बुरी	**अच्छी**
मजबूत	**कमजोर**	भाई	**बहन**

(ख) दो वाक्यों को मिलाकर एक वाक्य बनाइए–

उत्तर– 1. बारहसिंगा सिंगा को अपनी सुंदरता पर घमंड था उसी सुंदरता के कारण

वह मर गया।

2. हम दूसरे पर उँगली उठाते है परंतु अपनी गलती नहीं देखते।
3. बारहसिंगा बहुत घमंडी था परंतु उसका घमंड टूट गया।

(ग) निम्नलिखित शब्दों का अपने शब्दों में वाक्य प्रयोग कीजिए–

उत्तर– 1. कुरूपता – पैरों की **कुरूपता** के कारण बारहसिंगा दुखी हो गया।

2. सींग – बारहसिंगा के **सींग** सुन्दर और मजबूत थे।
3. झाड़ी – जंगल में एक बड़ी और कटीली **झाड़ी** थी।
4. पश्चात्ताप – बारहसिंगा को सत्यता का ज्ञान हुआ तो वह **पश्चात्ताप** की अग्नि में जल उठा।
5. कर्म – मानव का **कर्म** ही उसका भाग्य बनाता है।

कल्पना की दुनिया

उत्तर– स्वयं करें।

हमने सीखा

उत्तर– पढ़िए और समझिए।

3 नीम हकीम (कहानी)

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. गोपीलाल वैद्य जी का नौकर था।

2. ऊँटवाले ने वैद्य जी को दो रुपए दिए।
3. रोगी की हालत बिगड़ गई थी, क्योंकि उसने आलू खाया था।
4. गोपीलाल को जेल इसलिए जाना पड़ा, क्योंकि उसके इलाज से एक बुढ़िया मर गई थी।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. ऊँट को बहुत भयंकर बीमारी हो गई थी। उसके गले में तरबूज फंस गया था वैद्य जी ने एक पत्थर उसकी गर्दन के नीचे रखा और दूसरे पत्थर से ऊँट की गर्दन पर वार किया, जिससे गले में फँसा तरबूज टूटकर अंदर पेट में चला गया और ऊँट ठीक हो गया।

2. रोगी की चारपाई के नीचे आलू के छिलके पड़े होने से वैद्य जी को यह

पता चला कि रोगी ने आलू खाया है।

3. गोपीलाल ने वैद्य जी का साथ छोड़ा, क्योंकि वैद्य जी ने उसे फटकार लगाई थी।

4. गोपीलाल ने अपनी मूर्खता से एक बुढ़िया की जान ली। उसने बुढ़िया की गर्दन के नीचे एक पत्थर रखा और दूसरे पत्थर से बुढ़िया की गर्दन पर प्रहार किया जिससे बुढ़िया मर गई।

(ग) किसने, किससे कहा, लिखिए–

उत्तर–

1.	ऊँट वाले ने	वैद्य जी से
2.	वैद्य जी ने	ऊँट वाले से
3.	रोगी ने	वैद्य जी से
4.	गोपीलाल ने	वैद्य जी से
5.	गोपीलाल ने	वैद्य जी से

भाषा-बोध

(क) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो अर्थ लिखिए–

उत्तर–

जीवन	–	**प्राण प्यारा**	**प्राण धारणा**
घास	–	**तृण**	**तिनका**
मन	–	**अंतःकरण**	**चालीस सेर का तौल**
खाई	–	**खाँई**	**किसी स्थान के चारों ओर खोदा गया गड्ढा**
कर	–	**हाथ**	**टैक्स**
भाग	–	**अंश**	**भाग्य**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

देहाती	–	**शहरी**	आदमी	–	**शैतान**
अचेत	–	**चेतन**	सुबह	–	**शाम**
मूर्ख	–	**होशियार**	स्वस्थ	–	**अस्वस्थ**

(ग) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर–

लड़का	–	**बालक**	**बच्चा**
रोगी	–	**व्याधिग्रस्त**	**रुग्ण**
नदी	–	**सरिता**	**तटिनी**
आदमी	–	**नर**	**मनुष्य**

(घ) उदाहरण के अनुसार वर्ण-विच्छेद कीजिए–

उत्तर– गोपीलाल	–	**ग् + ओ + प् + ई + ल् + आ + ल् + अ**
तरबूज़	–	**त् + अ + र् + अ + ब् + ऊ + ज् + अ**
स्वस्थ	–	**स् + व् + अ + स् + थ् + अ**
भयानक	–	**भ् + अ + य् + आ + न् + अ + क् + अ**

आइए कुछ करें

उत्तर– 1. स्वयं कीजिए **2.** स्वयं कीजिए

कल्पना की दुनिया

उत्तर– स्वयं कीजिए

हमने सीखा

उत्तर– पढ़िए और समझिए

वर्तनी-बोध

उत्तर– पढ़िए और समझिए

4 तीन पड़ोसी (चित्र-कथा)

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. तीन पड़ोसी थे–बंदर, गीदड़ तथा खरगोश।

2. झाड़ी में खरगोश रहता था।

3. बंदर गीदड़ का मज़ाक उड़ाता रहता था।

4. झोंपड़ी के छप्पर में गीदड़ ने एक छेद कर रखा था, जिसमें से वह बंदर से बातचीत करता था।

5. गीदड़ अपने आपको होशियार समझता था।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. बंदर, गीदड़ और खरगोश में परस्पर मेल-जोल नहीं था। वे एक-दूसरे के पड़ोसी थे।

2. गीदड़ बंदर से जलता था, क्योंकि गीदड़ होशियार था। शेर, चीता तथा हाथी सभी उससे सलाह लेने आते थे।

3. बंदर को मजा चखाने के लिए गीदड़ ने बंदर की पूँछ में आग लगाई।

4. बंदर की पूँछ में आग लगाना गीदड़ की मूर्खता इसलिए थी, क्योंकि पूँछ

की आग से गीदड़ की झोंपड़ी भी जल गई थी।

5. अपनी करनी के कारण गीदड़ की झोंपड़ी भी जल गई साथ ही वह स्वयं भी जल गया।

6. अंत में तीनों पड़ोसियों ने आपसी वैर-भाव को भुलाकर मिल-जुलकर रहने का निर्णय लिया।

(ग) निम्नलिखित शब्दों का अपने शब्दों में वाक्य प्रयोग कीजिए–

उत्तर–

पड़ोसी	राकेश और सुरेश **पड़ोसी** हैं।
बातचीत	हमें आपस में **बातचीत** करके समस्या का समाधान ढूँढना चाहिए।
होशियार	गीदड़ स्वयं को **होशियार** समझता था।
सलाह	हमें अच्छी **सलाह** पर अमल करना चाहिए।
मेल-जोल	हमें दूसरों के साथ **मेल-जोल** से रहना चाहिए।
उद्देश्य	कभी किसी का दिल दुखाने का **उद्देश्य** न रखें।
मज़ाक	किसी का भी **मज़ाक** नहीं बनाना चाहिए।
निर्णय	तीनों मित्रों ने आपस में मेलजोल से रहने का **निर्णय** लिया।

भाषा-बोध

(क) निम्नलिखित शब्दों का सही मिलान कीजिए–

उत्तर–

बातचीत	शाखा
होशियार	हँसी
मूर्ख	अग्नि
सलाह	वार्तालाप
डाल	समझदार
आग	बेवकूफ
मजाक	परामर्श

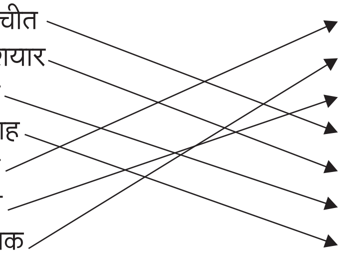

(ख) निम्नलिखित शब्दों के विशेषण शब्द बनाइए–

उत्तर–

बेवकूफी	–	**बेवकूफ**	अच्छाई	–	**अच्छा**
होशियारी	–	**होशियार**	दिन	–	**दैनिक**
मोटापा	–	**मोटा**	शांति	–	**शांत**

(ग) निम्नलिखित शब्दों में 'अ' उपसर्ग लगाकर शब्द बनाइए–

उत्तर–

हिंसा	–	**अहिंसा**	पवित्र	–	**अपवित्र**	समझ	–	**असमझ**
चल	–	**अचल**	सफल	–	**असफल**	प्रसन्न	–	**अप्रसन्न**

(घ) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

होशियार	–	**मूर्ख**	सुख	–	**दुख**
गरीब	–	**अमीर**	अच्छा	–	**बुरा**
मूर्ख	–	**होशियार**	मोटा	–	**पतला**

(ङ) निम्नलिखित शब्दों के 'ता' तथा 'ई' प्रत्यय लगाकर शब्द बनाइए–

उत्तर–

समान	–	**समानता**	मूर्ख	–	**मूर्खता**
होशियार	–	**होशियारी**	प्रसन्न	–	**प्रसन्नता**
बाहर	–	**बाहरी**	बीमार	–	**बीमारी**

आइए कुछ करें

उत्तर– 1. स्वयं कीजिए

2. कहानी के इन तीन पक्षों को देखो तथा इन तीनों की तुलना करते हुए लिखो कि सबसे अधिक बुरा कौन-सा पात्र था और क्यों?

उत्तर– कहानी में सबसे बुरा पात्र गीदड़ था, क्योंकि गीदड़ ने बंदर को नुकसान पहुँचाने के उद्देश्य से उसकी पूँछ में आग लगा दी थी। हमें कभी भी किसी को नुकसान नहीं पहुँचाना चाहिए। कभी-कभी हम दूसरों को नुकसान पहुँचाने के चक्कर में अपना ही नुकसान कर बैठते हैं, जैसा कि इस कहानी में गीदड़ के साथ हुआ। उसने बंदर का नुकसान करना चाहा और बदले में स्वयं का ही नुकसान कर बैठा।

कल्पना की दुनिया

उत्तर– स्वयं कीजिए

हमने सीखा

उत्तर– पढ़िए और समझिए

वर्तनी-बोध

उत्तर– पढ़िए और समझिए

5 अनजाने द्वीप पर (विदेशी कथा)

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– **1.** रॉबिन्सन क्रूसो के पिता एक धनी व्यापारी थे।

2. रॉबिन्सन क्रूसो नाविक बनना चाहता था।

3. जहाज़ के कप्तान ने आदेश दिया, "यह चट्टान जहाज़ के टुकड़े कर देगी। इसलिए तुरंत एक नौका उतारो ताकि जहाज़ के साथ कोई डूबे नहीं।"

4. एक भयंकर लहर ने नाव को उलट दिया और सभी यात्री समुद्र में डूबने लगे। क्रूसो भी बेहोश हो गया। जब उसे होश आया तो उसने स्वयं को एक निर्जन द्वीप पर अकेला पाया।

5. रविवार की पहचान के लिए वह एक बड़ा चिह्न बनाता था।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– **1.** रॉबिन्सन क्रूसो के पिता उसे नाविक बनाना नहीं चाहते थे।

2. जब पिता के मित्र के बेटे ने समुद्री यात्रा के रोमांचक अनुभव क्रूसो को सुनाते हुए बताया कि समुद्र यात्रा में बहुत आनंद आता है और नए-नए देश, नए-नए लोग तथा अनोखी चीजें देखने को मिलती हैं। तब क्रूसो की समुद्री यात्रा करने की इच्छा में वृद्धि हुई।

3. समुद्र में तूफान आने पर ऊँची-ऊँची लहरें जहाज से टकराने लगीं। लहरों के थपेड़े जहाज को चट्टान की ओर बहाकर ले जाने लगी। तब कप्तान ने नाव पानी में उतारने का आदेश दिया। अभी नाव थोड़ी दूर ही चली थी कि एक भयंकर लहर ने नाव पलट दी। सभी यात्री समुद्र में डूबने लगे और क्रूसो भी बेहोश हो गया।

4. रॉबिन्सन क्रूसो ने टूटे जहाज से खाद्य सामग्री एवं कुछ अन्य आवश्यक सामग्री ले लीं और टूटे हुए जहाज की कुछ लकड़ियों से एक छोटी नाव बना ली तथा एक वृक्ष के नीचे पाल से तंबू तानकर उसी में रहने लगा। क्रूसो ने खेती करने के लिए जमीन तैयार की और उसमें कुछ गेहूँ बो दिए तथा साथ ही कुछ फलों के वृक्ष भी लगाए। फिर उसने झरने से लेकर खेत तक जमीन खोदकर पानी की नाली बना ली। खेत के पास उसने एक

मचान भी बना लिया, ताकि वहाँ से वह खेती की देखभाल भी कर सके।

5. क्रूसो ने बड़ी ही युक्ति से वनवासियों को मारकर एक युवक के प्राण बचाए।

(ग) निम्नलिखित अधूरे वाक्यों को पूरा कीजिए–

उत्तर– 1. आज से साढ़े तीन **सौ वर्ष पूर्व इंग्लैंड के यार्क नगर में क्रूसो का जन्म हुआ।**

2. उसने अपने पिता **के साथ कई बार समुद्री यात्राएँ की थी।**

3. जहाज़ के कप्तान ने **आदेश दिया कि चट्टान जहाज़ के टुकड़े-टुकड़े कर देगी। इसलिए नाव को पानी में उतारो।**

4. एक वृक्ष के नीचे **क्रूसो ने जहाज के पाल का तंबू तान लिया।**

भाषा-बोध

(क) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

जन्म	–	**मरण**	लंबी	–	**चौड़ी**	मित्र	–	**शत्रु**
दिन	–	**रात**	इच्छा	–	**अनिच्छा**	विशाल	–	**संकीर्ण**

(ख) एक शब्द के दो-दो अर्थ पढ़िए तथा वाक्य बनाइए–

उत्तर–

शब्द	अर्थ	वाक्य
मन	**चित्त**	अपने **मन** पर नियंत्रण करना सीखो।
	चालीस सेर का तौल	बाज़ार से एक **मन** चावल खरीद कर लाओ।
ताल	**ताली**	बंदर का तमाशा देखकर बच्चे खुशी से **ताल** बजा रहे हैं।
	मजीरा	कीर्तन में ढोलक और **ताल** बजाए जाते हैं।

(ग) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य प्रयोग कीजिए–

उत्तर–

अभिलाषा	–	इच्छा	–	पुष्प की **अभिलाषा** वीरों के पथ पर जाने की है।
अनुमति	–	आज्ञा	–	राम ने ऋषि से धनुष पर प्रत्यञ्चा चढ़ाने की **अनुमति** ली।
अनोखी	–	विचित्र	–	वन में **अनोखा** पक्षी था।
निर्जन	–	विरान	–	वन **निर्जन** था।

आइए कुछ करें

उत्तर– 1. स्वयं कीजिए 2. स्वयं कीजिए 3. स्वयं कीजिए

4. संसार में कितने महासागर पाए जाते हैं? उनके नाम लिखो।

उत्तर– संसार में चार महासागर पाए जाते हैं–**1.** प्रशांत महासागर **2.** अटलांटिक महासागर **3.** हिंद महासागर **4.** आर्कटिक महासागर।

5. यात्रा करना न केवल मनोरंजन के लिए, बल्कि ज्ञानवर्धन के लिए भी

आवश्यक है। क्या आप इस कथन से सहमत हैं? अगर हाँ तो बताइए, क्यों?

उत्तर– हाँ, क्योंकि हम नई-नई जगह जाते हैं, नए-नए लोगों से मिलते हैं जिससे वहाँ के रहन-सहन तथा खाना-पान सभी की जानकारियाँ मिलती हैं।

कल्पना की दुनिया

उत्तर– स्वयं कीजिए

हमने सीखा

उत्तर– पढ़िए और समझिए

वर्तनी-बोध

उत्तर– पढ़िए और समझिए

6 प्रकृति का संदेश (कविता)

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर–
1. पर्वत ऊँचा होता है।
2. कवि मन की गहराई की तुलना सागर से करता है।
3. धैर्य न छोड़ने की सीख पृथ्वी देती है।
4. कविता के लेखक का नाम सोहनलाल 'द्विवेदी' है।
5. लेखक प्रकृति के निकट रहने के लिए प्रेरित कर रहा है।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर–
1. पर्वत हमें ऐसा कार्य करने की शिक्षा देता है, जिससे हम जीवन में सिर उठाकर चलें।
2. नभ हमसे कहता है कि अपनी कीर्ति को इतनी फैला दो, जिससे यह सारा संसार ढक जाए।
3. लहरों से हमें बार-बार गिरकर फिर उठकर चलना सीखना चाहिए।
4. जल की तरंगें बार-बार उठती-गिरती हुई चलती हैं।
5. **कविता का सार**

   कवि कहता है कि हे मनुष्य! तुम इतने महान और अच्छे कार्य करो कि तुम भी इस जग में पर्वत की तरह ऊँचे उठ सको और अपने मन में सागर की तरह गहराई ला सको। पृथ्वी की तरह धीरज रखना सीखो चाहे जीवन में कितनी भी परेशानी क्यों न आए। अपनी कीर्ति और अच्छाई से

तुम सारे संसार को ढक लो तथा पानी की गिरती-उठती तरंगों से अपने मन में मीठी-मीठी, कोमल उमंगें भर लो।

(ग) निम्नलिखित पद्यांश का भाव स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– भावार्थ–

कवि कहता है कि अपने अच्छे बर्ताव और व्यवहार के कारण ही तुम इस संसार में पर्वत की तरह ऊँचे उठो और अपने मन में विचारों की गहराई सागर की गहराई की तरह उतारो।

(घ) कविता की निम्नलिखित पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–

उत्तर– 1. पर्वत कहता **शीश उठाकर,**
तुम भी ऊँचे बन जाओ।
सागर **कहता है लहराकर,**
मन में गहराई लाओ।।

2. समझ रहे **हो क्या कहती है,**
उठ-उठ, गिर-गिर तरल तरंग।
भर लो, भर लो, अपने मन में
मीठी-मीठी मृदुल उमंग।।

भाषा-बोध

(क) कविता के आधार पर इन चीज़ों के गुण बताओ–

उत्तर–

पर्वत	**ऊँचाई**	पृथ्वी	**धीरज**	सागर	**गहराई**
आकाश	**ढकना**	मन	**कोमल**	उमंग	**लहर**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर–

पर्वत	–	**नग**	**पहाड़**	**गिरि**
सागर	–	**समुद्र**	**सिंधु**	**जलधि**
आकाश	–	**गगन**	**आसमान**	**नभ**
संसार	–	**जगत**	**दुनिया**	**विश्व**
पृथ्वी	–	**धरा**	**वसुधा**	**भूमि**

(ग) पढ़िए, समझिए और लिखिए–

उत्तर–

द्	+	र	=	द्र	–	समुद्र	**भद्र**
र्	+	ग	=	र्ग	–	मार्ग	**स्वर्ग**
र्	+	ख	=	र्ख	–	मूर्ख	**सुर्ख**
र्	+	ष	=	र्ष	–	वर्षा	**हर्ष**
क्	+	ष	=	क्ष	–	वृक्ष	**पक्ष**

(घ) निम्नलिखित शब्दों के विशेषण शब्द बनाइए–

उत्तर–

पर्वत	–	**ऊँचा**	सागर	–	**गहरा**
धैर्य	–	**असीम**	संसार	–	**विस्तृत**
लड़की	–	**बुद्धिमान**	विद्यार्थी	–	**नटखट**
वृक्ष	–	**हरा**	फूल	–	**सुंदर**

(ङ) निम्नलिखित शब्दों के लिंग बताइए–

उत्तर–

पर्वत	–	**पुल्लिग**	शीश	–	**पुल्लिग**
सागर	–	**पुल्लिग**	पृथ्वी	–	**स्त्रीलिंग**
तरंग	–	**स्त्रीलिंग**	नभ	–	**पुल्लिग**
मंगल	–	**पुल्लिग**	गंगा	–	**स्त्रीलिंग**
पीपल	–	**पुल्लिग**	मिठाई	–	**स्त्रीलिंग**

(च) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए और उनसे वाक्य बनाइए–

उत्तर–

ऊँचा	–	**नीचा**	कभी किसी को **नीचा** नहीं समझना चाहिए।
नभ	–	**धरती**	**धरती** पर विभिन्न जीव-जंतु रहते हैं।
तरल	–	**गाढ़ा**	चीनी की चाशनी ठंडी होकर **गाढ़ी** हो जाती है।
मीठा	–	**खट्ठा**	इमली बहुत **खट्टी** होती है।
अनुराग	–	**विराग**	साधु संसार से **विरागी** होते हैं।
धर्म	–	**अधर्म**	हमें अपने धर्म का पालन करना चाहिए **अधर्म** का नहीं।

(छ) निम्नलिखित शब्दों के वर्ण-विच्छेद कीजिए–

उत्तर–

सागर	–	**स् + आ + ग् + अ + र् + अ**
पर्वत	–	**प् + अ + र् + व् + अ + त् + अ**
आकाश	–	**आ + क् + आ + श् + अ**
संसार	–	**स् + अ + न् + स् + आ + र् + अ**
धरती	–	**ध् + अ + र् + अ + त् + ई**
कोमल	–	**क् + ओ + म् + अ + ल् + अ**

आइए कुछ करें

1. प्रकृति की आठ चीज़ों के नाम बताओ।

उत्तर– पेड़-पौधे, नदियाँ, पहाड़, झील, समुद्र, सूरज, चाँद तथा तारे।

2. स्वयं कीजिए

3. प्रकृति की कौन-सी चीज तुम्हें सबसे अच्छी लगती है? क्यों अच्छी लगती है? लिखो।

उत्तर– वैसे तो प्रकृति द्वारा प्रदत्त सभी चीज़ें अच्छी हैं, लेकिन सूरज हमें सबसे ज्यादा अच्छा लगता है, क्योंकि सूरज रात्रि के अंधकार को दूर करता है और इस धरती को प्रकाशवान कर देता है। सभी जीवों को ऊर्जा प्रदान करता है।

4. सोहनलाल द्विवेदी द्वारा रचित किसी अन्य कविता को पढ़ो और लिखो।

उत्तर– स्वयं कीजिए

5. प्रकृति की किन्हीं ऐसी पाँच चीजों के नाम लिखो, जिनसे हमें खास सीख/शिक्षा मिलती है। उनसे मिलनेवाली सीख/शिक्षा भी लिखो।

उत्तर– पेड़-पौधे – सभी को अपनी छाया और फल देना।
पहाड़ – पर्वत जैसा ऊँचा बनने की।
समुद्र – समुद्र जैसी गहराई मन में उतारने की।
सूरज – स्वयं जलकर दूसरों को रोशनी देना।
नदी – निरंतर बहते रहने की शिक्षा।

कल्पना की दुनिया

फलदार वृक्ष तथा बागों में खिले फूल हमें क्या सीख देते हैं? बताओ।

उत्तर– फलदार वृक्ष हमें सदा झुकने की सीख देते हैं और बागों में खिले फूल हमें सदा मुस्कुराने की सीख देते हैं।

हमने सीखा

उत्तर– पढ़िए और समझिए

7 विद्वान मूर्ख (कहानी)

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– **1.** विद्वान ब्राह्मण एक छोटे-से नगर में रहते थे।

2. चारों मित्र दूसरे देश धन कमाना और जाकर अपना भाग्य बदलना चाहते थे।

3. मृत सिंह की अस्थियों को व्यवस्थित करके अस्थि-पिंजर पहले मित्र ने बनाया।

4. सिंह के पुनर्जीवित होने के डर से चौथा मित्र पेड़ पर चढ़कर बैठ गया।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– **1.** चौथा मित्र पहले तीनों मित्रों जितना विद्वान न होते हुए भी व्यावहारिक ज्ञान में सबसे आगे था।

2. मृत शेर को मांस, रक्त तथा मांसपेशियाँ दूसरे मित्र ने प्रदान की।

3. चौथा मित्र मृत शेर में प्राण फूँकने के पक्ष में नहीं था, क्योंकि वह जानता था कि वह एक जंगली सिंह है तथा फिर अगर यह जीवित हुआ तो सबसे पहले हमारे ऊपर ही झपटेगा और हम सब को मौत के घाट उतार देगा।

4. पहले तीनों मित्रों को व्यावहारिक ज्ञान नहीं था तथा वे अपने ज्ञान और

सिद्धियों का गलत प्रयोग करके मौत के मुँह में जा पहुँचे।

(ग) पाठ के आधार पर खाली स्थान भरिए–

उत्तर– **1.** क्यों न हम पास के **देश** में चलें।

2. चारों विद्वान मित्र **यात्रा** पर चल पड़े।

3. मित्र, मृत सिंह के शरीर में **प्राण** मत फूँको।

4. यह कहकर वह एक **पेड़** पर चढ़ गया।

(घ) किसने, किससे और क्यों कहा, लिखिए–

उत्तर– **1.** अपना भाग्य आजमाने के लिए पहले मित्र ने अन्य मित्रों से कहा।

2. क्योंकि सिंह जिंदा होते ही उनको मारकर खा सकता था। चौथे मित्र ने तीसरे मित्र से कहा।

3. क्योंकि वह उन्हें सिंह को पुनर्जीवित करने से रोक रहा था पहले मित्र ने चौथे मित्र से कहा।

भाषा-बोध

(क) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखकर और उनसे वाक्य बनाइए–

उत्तर–

विद्वान	– **मूर्ख**	एक **मूर्ख** बंदर की कहानी सुनो।
देश	– **विदेश**	शोभित नौकरी के लिए **विदेश** गया है।
मित्र	– **शत्रु**	मोर साँप का **शत्रु** होता है।
मृत	– **जीवित**	मृत सिंह के शरीर में प्राण फूँकने पर वह **जीवित** हो उठा।
उचित	– **अनुचित**	हमें **अनुचित** कार्य नहीं करने चाहिए।

(ख) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए–

उत्तर–

यात्रा	**यात्राएँ**	मित्र	**मित्रों**	अस्थि	**अस्थियाँ**
बात	**बातें**	सिद्धि	सिद्धियाँ	रास्ता	**रास्ते**

(ग) पढ़िए, समझिए और चुनकर लिखिए–

उत्तर– शेर **दहाड़ता** है।

बकरी **मिमियाती** है।

गाय **रँभाती** है।

चिड़िया **चहचहाती** है।

कोयल **कूकती** है।

(घ) सही विकल्प के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– **1.** कपि **2.** डर **3.** अरण्य।

(ङ) निम्नलिखित रिक्त स्थानों में उचित समुच्चयबोधक शब्द भरिए–

उत्तर– **1.** जंगल में उन्हें मृत सिंह की अस्थियाँ **और** खाल मिली।

2. चौथा मित्र उनके जितना विद्वान नहीं था, **लेकिन** व्यावहारिक ज्ञान में निपुण था।

3. उसे साथ ले चलना चाहिए, **वरना** वह हमें अपना मित्र नहीं मानेगा।

4. उसे विश्वास था **कि** वह पेड़ पर चढ़कर अपना जीवन बचा सकता है।

आइए कुछ करें

उत्तर– **1.** स्वयं कीजिए **2.** स्वयं कीजिए **3.** स्वयं कीजिए

4. दिए गए जंगली जानवरों को पहचानकर उनके नाम तथा उनकी बोलियाँ लिखो–

उत्तर–

नाम	**गीदड़**	**बाघ**	**भालू**	**साँप**
बोली	**हुआँ-हुआँ**	**दहाड़ना**	**गुर्राना**	**फुंकारना**

कल्पना की दुनिया

1. स्वयं कीजिए

2. अगर तीनों मित्र शेर को पुनर्जीवित न करते तो कहानी का अंत कैसा होता।

उत्तर– अगर तीनों मित्र शेर को पुनर्जीवित न करते तो कहानी का अंत अच्छा होता और तीनों मित्र भी जीवित होते।

हमने सीखा

उत्तर– पढ़िए और समझिए

वर्तनी-बोध

उत्तर– पढ़िए और समझिए

8 वर्तमान का महत्त्व (कहानी)

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– **1.** राजा के महल के सामने शाही माली का घर था।

2. राजा माली के सारा-दिन परिश्रम करने और खुश रहने से प्रभावित हुआ।

3. राजा माली की तरह खुश और प्रसन्न रहना चाहता था।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. माली परिश्रमी व्यक्ति था।

2. राजा माली को देखकर अपने बारे में सोचता है कि काश! मैं भी इसकी तरह सदैव खुश रह पाता।

3. माली राजा को अपनी प्रसन्नता का रहस्य बताता है कि "महाराज! मैं भला दुःखी क्यों रहूँ, जब मुझे दो वक्त का भोजन और रात को सोने के लिए घर मिल जाता है। ईश्वर ने मुझे इतनी शक्ति प्रदान की है कि मैं पसीना बहाकर अपनी आजीविका कमा सकूँ। मैं सुबह से शाम तक परिश्रम करता हूँ। इसी कारण मुझे इतनी भूख लगती है कि जो भी रूखा-सूखा मिलता है, उसी को खाकर चैन मिल जाता है। शरीर के थके होने के कारण रात्रि को गहरी नींद सोता हूँ और जब सुबह जगता हूँ तो शरीर में नई ताज़गी महसूस करता हूँ। अतः अगले दिन अपनी रोजी-रोटी कमाने के लिए पूरे परिश्रम से काम कर पाता हूँ। मैं हर नए दिन को नया जीवन समझता हूँ। अतः मेरे लिए वर्तमान ही सब कुछ है।"

4. राजा माली को सलाह देता है कि, यदि तुम कल को बीमार पड़ गए तो क्या होगा? क्या तुम्हें अपने भविष्य की चिंता नहीं करनी चाहिए?

5. राजा ने मन-ही-मन अपने स्वभाव को बदलने और वर्तमान का पूरा-पूरा लाभ उठाने का दृढ़ निश्चय किया।

(ग) सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– 1. चुस्त और प्रसन्न

2. वर्तमान का लाभ उठाने की

भाषा-बोध

(क) दिए गए वाक्यों में उचित विराम-चिह्नों का प्रयोग कीजिए–

उत्तर– 1. माली गरीब, परिश्रमी, ईमानदार और दयालु आदमी था।

2. राजा ने पूछा, "तुम्हारी खुशी का क्या रहस्य है?"

(ख) इनके भिन्न-भिन्न अर्थ लिखिए–

उत्तर–

पानी	–	**जल**	**लज्जा**	**चमक**
जीवन	–	**प्राण**	**आयु**	**जिंदगी**

आइए कुछ करें

उत्तर– 1. स्वयं कीजिए

2. 'वर्तमान ही सबकुछ है।' इस विषय पर एक छह-सात पंक्तियों में अनुच्छेद लिखो।

उत्तर– मनुष्य ईश्वर की सबसे सुंदर कृति है। मनुष्य का जीवन मुख्य रूप से तीनों कालों; भूत, वर्तमान और भविष्य से जुड़ा हुआ होता है, परंतु उसके लिए वर्तमान ही सब कुछ होता है। मनुष्य अपने वर्तमान का भरपूर लाभ उठाना चाहता है और इसके लिए वह प्रयास भी करता है। वर्तमान में ही उसे समय और जीवन की समझ होती है। मनुष्य को भविष्य के बारे में अत्यधिक चिंतित नहीं होना चाहिए इसलिए विभिन्न परिस्थितियों में भी वर्तमान का भरपूर लाभ उठाएँ। अतः मनुष्य का वर्तमान ही सब-कुछ है।

3. स्वयं कीजिए।

कल्पना की दुनिया

उत्तर– स्वयं कीजिए

हमने सीखा

उत्तर– पढ़िए और समझिए

वर्तनी-बोध

उत्तर– पढ़िए और समझिए

9 सूर्योदय की भूमि-जापान (लेख)

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. जापान की राजधानी का नाम टोक्यो है।

2. जापान विश्व का वह देश है, जिसमें सबसे पहले सूर्योदय होता है। इसीलिए इसे 'सूर्योदय का देश' भी कहते हैं।

3. जापानी लोग अपने घरों की सजावट पर विशेष ध्यान देते हैं। वे अपने घरों को मोहक चित्रों और रंग-बिरंगे फूलों से सजाते हैं। फूलों को सजाने की जापानी विधि को 'इकेबाना' कहते हैं।

4. जापानी बच्चे प्रारंभ से ही देशभक्त, साहसी, निडर तथा परिश्रमी होते हैं।
5. द्वितीय विश्वयुद्ध में जापान के दो शहरों नागासाकी और हिरोशिमा पर अमेरिका द्वारा परमाणु बम गिराए गए थे।
6. जापानी महिलाएँ केश शृंगार को भी विशेष महत्त्व देती हैं। वे अपने बालों को विशेष प्रकार से सजाकर उनमें फूलों व आभूषणों का प्रयोग करती हैं।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. जापान एक ऐसा देश है जो चार बड़े तथा अनेक छोटे-छोटे द्वीपों से मिलकर बना है। इसका सबसे बड़ा द्वीप है–'होंशू', और उसी में वहाँ की राजधानी 'टोक्यो' स्थित है। जापान विश्व का वह देश है, जिसमें सबसे पहले सूर्योदय होता है इसीलिए इसे 'सूर्योदय का देश' भी कहते हैं।

2. जापानी लोग सौंदर्य-प्रेमी होते हैं, क्योंकि वे अपने घरों को मोहक चित्रों और रंग-बिरंगे फूलों से सजाते हैं। उद्यानों में पेड़-फूलों की क्यारियाँ, तालाब, नहरें तथा पुल आदि होते हैं। इनके घरों में भी लघु-बगीचे होते हैं तथा बड़े वृक्षों को ये छोटे आकार का बनाते हैं।
3. बड़े वृक्षों को छोटे-से आकार का बनाने की विधि को 'बोनसाई' कहते हैं।
4. प्रसिद्ध भारतीय संत स्वामी रामतीर्थ एक बार जापान की यात्रा पर गए थे। वहाँ वे एक रेलवे स्टेशन पर खड़े होकर अपने मित्रों व चाहने वालों से बातें कर रहे थे। उन्होंने बातों-बातों में कहा कि जापान देश तो बहुत अच्छा है, परंतु यहाँ अच्छे फल नहीं मिलते हैं। थोड़ी देर बाद ट्रेन आ गई। वे ट्रेन में चढ़ने के लिए अपने स्थान से हिले भी न थे कि एक जापानी दौड़ा-दौड़ा उनके पास आया। उसके हाथों में फलों की टोकरी थी। उसने स्वामी जी को फलों की टोकरी भेंट करते हुए कहा कि–''श्रीमान, आप इन फलों को स्वीकार करें। आपसे बस एक यही विनती है कि आप अपने देश लौटने पर किसी से यह न कहिएगा कि जापान में अच्छे फल नहीं मिलते।''
5. जापान में आधुनिकता और परंपरा का अनूठा सामंजस्य देखने को मिलता है। जापानी लोग अपने अनेक उत्सवों व धार्मिक त्योहारों को परंपरागत विधि से मनाते देखे जाते हैं। जापानियों की वेशभूषा भी मन को मोहने वाली है। वहाँ की महिलाएँ सुंदर 'किमीनो' पहनती है। यह एक लंबा तथा ढीला चोगा होता है, जिसमें कमर पर चौड़ी पट्टी बाँधी जाती है। जापानी महिलाएँ केश शृंगार को भी विशेष महत्त्व देती हैं। वे अपने बालों को विशेष प्रकार से सजाकर उनमें फूलों व आभूषणों का प्रयोग

करती हैं। वहाँ के लोग उपहारों के आदान-प्रदान में विशेष उदारता दिखाते हैं। किसी के घर न तो कोई खाली जाता है और न ही खाली हाथ आता है। वे अपनी भाषा, संस्कृति और अपने राष्ट्र से विशेष प्रेम करते हैं और उस पर गर्व महसूस करते हैं।

(ग) निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–

उत्तर– सौंदर्य – जापानी लोग **सौंदर्य**-प्रेमी होते हैं।
सूर्योदय – जापान को **सूर्योदय** का देश भी कहा जाता है।
निडर – वंश एक **निडर** लड़का है।

(घ) सही उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– **1.** बोनसाई। **2.** किमीनो।
3. सौंदर्य। **4.** प्रसिद्ध संत।

भाषा-बोध

(क) निम्नलिखित शब्दों में संधि-विच्छेद कीजिए–

उत्तर–

सूर्योदय	–	**सूर्य**	+	**उदय**
वेशभूषा	–	**वेश**	+	**भूषा**
परंपरागत	–	**परंपरा**	+	**आगत**
शिष्टाचार	–	**शिष्ट**	+	**आचार**

(ख) निम्नलिखित शब्दों का उनके विलोम शब्दों से सही मिलान कीजिए–

उत्तर–
उदय → अस्त
प्रेम → घृणा
शिष्ट → अशिष्ट
प्रारंभ → अंत
मित्र → शत्रु

(ग) स्त्रीलिंग अथवा पुल्लिंग शब्द बताइए–

उत्तर–

द्वीप	–	**पुल्लिंग**	नहर	–	**स्त्रीलिंग**
युद्ध	–	**पुल्लिंग**	स्टेशन	–	**पुल्लिंग**
मछली	–	**स्त्रीलिंग**	केश	–	**पुल्लिंग**
शैली	–	**स्त्रीलिंग**	सूर्य	–	**पुल्लिंग**

(घ) निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर–

फूल	**पुष्प**	**सुमन**	**कुसुम**
तालाब	**सर**	**सरोवर**	**तडाग**
आदर	**सम्मान**	**स्वागत**	**सत्कार**

आइए कुछ करें

उत्तर– **1.** स्वयं कीजिए

2. स्वयं कीजिए

3. **'किसी देश की संस्कृति उसके वासियों के रहन-सहन का आइना होती है।' इस विषय पर अपने विचार व्यक्त करो।**

उत्तर– किसी भी देश की संस्कृति उसके वासियों के रहन-सहन का आइना होती है, क्योंकि किसी देश की संस्कृति को देखकर ही वहाँ के निवासियों के विषय में ज्ञात किया जा सकता है।

4. **आपने इस लेख से जो शिक्षा प्राप्त की, उसे लिखो।**

उत्तर– यह लेख हमें सांस्कृतिक प्रेम की भावना को जाग्रत करने तथा शिष्टाचार व राष्ट्रभक्ति के प्रति लगन पैदा करने वाला है।

कल्पना की दुनिया

उत्तर– स्वयं कीजिए

हमने सीखा

उत्तर– पढ़िए और समझिए

वर्तनी-बोध

उत्तर– पढ़िए और समझिए

10 सही पथ का ज्ञान (प्रेरक-कथा)

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– **1.** दरबार के कर्मचारी राजकुमार के अशिष्ट और चिड़चिड़े स्वभाव के कारण घृणा करने लगे थे।

2. महात्मा के चेहरे पर खुशी और संतोष की चमक थी।

3. राजा आश्रम में महात्मा से अपने पुत्र को सुधारने की विनती करने के लिए गया।

4. नन्हें पौधे की पत्ती का स्वाद विषैला और पीड़ादायक था।

5. महात्मा राजकुमार को समझाना चाहता था कि अभद्र तथा निर्दयतापूर्ण व्यवहार से कभी किसी के दिल को नहीं जीता जा सकता।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– **1.** राजकुमार का स्वभाव बहुत चिड़चिड़ा और अशिष्ट था। वह ज़रा-सी बात पर क्रोधित हो जाता था और असभ्य व्यवहार पर उतर आता था।

2. राजा ने महात्मा से राजकुमार को सुधारने की विनती की।

3. महात्मा राजकुमार को महल के विशाल उद्यान में लेकर गया और उससे वहाँ लगे एक छोटे-से पौधे की पत्ती चबाने के लिए कहा।

4. राजकुमार ने विषैले पौधे के विषय में कहा कि इसका स्वाद कितना कड़वा और पीड़ादायी है। यह नन्हा पौधा अवश्य कोई विषैला पौधा है। यदि इसे एक वृक्ष के रूप में फलने-फूलने दिया तो यह अनेक लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा उत्पन्न कर सकता है।

5. राजकुमार ने मन-ही-मन अपने स्वभाव की सभी बुराइयों को त्याग कर जीवन के सही पथ पर चलने का संकल्प किया।

(ग) किसने, किससे और क्यों कहा, लिखिए–

उत्तर– **1.** राजकुमार के सुधरने की आशा से राजा ने महात्मा से कहा।

2. महात्मा द्वारा राजकुमार को पौधे की पत्ती चबाने पर राजकुमार ने महात्मा से कहा।

3. राजकुमार के अशिष्ट व्यवहार के कारण महात्मा ने राजकुमार से कहा।

(घ) दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए–

उत्तर– अभद्र – राजकुमार सभी के साथ **अभद्र** व्यवहार करता था।

परिपूर्ण – सिकंदर के शासनकाल में प्रजा पूर्णतः **परिपूर्ण** थी।

अयोग्य – राजकुमार **अयोग्य** शासक था।

विषैला – नन्हें पौधे की पत्ती का स्वाद अत्यधिक **विषैला** था।

भाषा-बोध

(क) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

पुरानी	**नई**	असभ्य	**सभ्य**
अनूठी	**साधारण**	महात्मा	**दुरात्मा**
राजा	**रंक**	योग्य	**अयोग्य**
निर्दयी	**दयालु**	उदार	**अनुदार**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर–

राजा	**रंक**	**नृप**
अनूठी	**अनोखा**	**विलक्षण**

उद्यान – **बगीचा** **उपवन**
महात्मा – **साधु** **संन्यासी**

(ग) निम्नलिखित विशेष्य शब्दों के लिए सही विशेषण शब्द छाँटकर लिखिए–

उत्तर– पुरानी – **बात** दयालु – **राजा**
निर्दयी – **राजकुमार** भव्य – **महल**
विषैला – **पौधा** अच्छा – **पुत्र**

(घ) इनके भिन्न-भिन्न अर्थ लिखो–

उत्तर– गुण – **खूबी** **धनुष की डोरी** कर – **हाथ** **टैक्स**
जीवन – **आयु** **प्राण, जिन्दगी** भाव – **मन का विकार** **चेष्टा**

आइए कुछ करें

उत्तर– 1. स्वयं कीजिए **2.** स्वयं कीजिए **3.** स्वयं कीजिए

4. दिए गए चित्र का वर्णन अपने शब्दों में करो–

उत्तर– यह एक विशाल उद्यान है।
इसमें तरह-तरह के पेड़-पौधे हैं।
इसमें एक तालाब भी है।
तालाब में बत्तखें तैर रही हैं।
यहाँ एक झरना भी है।
आकाश में चिड़ियाँ उड़ रही हैं।
बच्चे उद्यान में खेल रहे हैं।

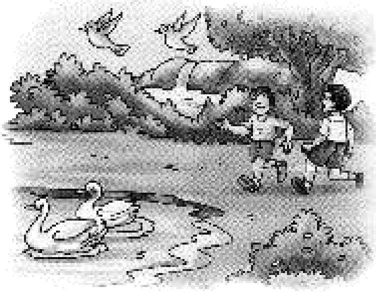

कल्पना की दुनिया

उत्तर– स्वयं कीजिए

हमने सीखा

उत्तर– पढ़िए और समझिए

वर्तनी-बोध

उत्तर– पढ़िए और समझिए

11 रात यों कहने लगा चाँद (कविता)

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. कवि आदमी को अनोखा जीव बताता है।

2. मनुष्य को जनमते-मरते चाँद ने देखा है।
3. कवि आदमी के स्वप्न के विषय में कहता है कि वह एक पानी का बुलबुला मात्र है।
4. 'स्वप्न मेरे बुलबुले हैं' से तात्पर्य है कि मनुष्य के स्वप्न पानी के बुलबुले के समान हैं जो अभी आते और पल में चले जाते हैं।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. आदमी एक अनोखा जीव होने के साथ-साथ अपनी उलझनें स्वयं ही बनाता है और स्वयं ही उनमें फँस जाता है तथा फिर बेचैन होकर न जागता है और न सोता है।
2. कवि आदमी की प्रशंसा करते हुए कहता है कि मनुष्य केवल स्वप्न देखता ही नहीं वरन् वह उनको पूरा करने के लिए कुछ भी कर सकता है।
3. कवि इस पद्यांश में कहना चाहता है कि यह मनुष्य ही नहीं वरन् उसका पुत्र भी है, जिसकी कल्पना में तीव्रता की धार होती है। उसके विचारों में केवल बाण ही नहीं, होते बल्कि उसके स्वप्न में भी तलवार की धार होती है।
4. 'स्वर्ग के सम्राट' से अभिप्राय चंद्रमा से है।

(ग) निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– 1. आदमी जो स्वप्न देखता है वह पानी के बुलबुले के समान होता है। जो एक पल में आता है और दूसरे पल में ही चला जाता है।
2. वह मनुष्य ही नहीं वरन् उसका पुत्र है, जिसकी कल्पना में तीव्रता की धार होती है।
3. स्वर्ग के सम्राट अर्थात् चंद्रमा को बता दे कि मनुष्य के स्वप्न दिन-दिन पास आ रहे हैं।

भाषा-बोध

(क) निम्नलिखित शब्दों के समान अर्थ वाले शब्द लिखिए–

अनोखा	–	**विचित्र**	गगन	–	**आकाश**
मनु	–	**मनुष्य**	धन्य	–	**पुण्यवान**
बाण	–	**तीर**	सम्राट	–	**राजा**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

पुराना	–	**नया**	स्वर्ग	–	**नरक**
पागल	–	**समझदार**	आकाश	–	**धरती**

सुंदर	–	**असुंदर**	जागना	–	**सोना**

(ग) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदल कर लिखिए–

उत्तर–	रात	–	**रातें**	बुलबुला	–	**बुलबुले**
	रागिनी	–	**रागिनियाँ**	दीवार	–	**दीवारें**
	रास्ता	–	**रास्ते**	रस्सी	–	**रस्सियाँ**

(घ) निम्नलिखित शब्दों में सही वर्ण पर अनुस्वार (ं) और चंद्रबिंदु (ँ) लगाकर शब्दों को दोबारा लिखिए–

उत्तर–	चाद	**चाँद**	कितु	**किंतु**	गाव	**गाँव**	बदर	**बंदर**
	नीव	**नींव**	हू	**हूँ**	जग	**जंग**	माग	**माँग**

आइए कुछ करें

उत्तर– 1. स्वयं कीजिए **2.** स्वयं कीजिए

3. स्वयं कीजिए **4.** स्वयं कीजिए

कल्पना की दुनिया

तुम एक मनुष्य होने के नाते जीवन के बारे में क्या कहना चाहोगे?

उत्तर– मनुष्य का जन्म हमें विभिन्न यौनियों में भटकने के बाद और अच्छे कर्मों के आधार पर मिलता है। अतः इसका उपयोग अच्छे कार्यों के लिए ही करना चाहिए न कि बुरे कार्यों के लिए। अच्छे कार्य करने से ही मनुष्य को मोक्ष की प्राप्ति होती है।

हमने सीखा

उत्तर– पढ़िए और समझिए

वर्तनी-बोध

उत्तर– पढ़िए और समझिए

12 तेनालीराम की समझदारी (किस्सा)

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. तेनालीराम ने सड़क के किनारे एक युवक को ज्योतिषी से बातें करते देखा।

2. ज्योतिषी ने युवक के विषय में भविष्यवाणी की कि, ''बेटा, तुम्हारा भाग्य

तुम्हारे पक्ष में है। तुम्हें अति शीघ्र बड़ी सफलता मिलने वाली है। तुम्हें राजा द्वारा सम्मानित किया जाएगा। तुम बड़े धनवान बनने वाले हो।''

3. ज्योतिषी की बात की सत्यता को जानने के लिए तेनालीराम ने युवक का पीछा किया।

4. युवक को बंदी बनाकर तेनालीराम के समक्ष पेश किया।

5. युवक ने तेनालीराम से प्रार्थना की कि, ''श्रीमान जी, मुझे मुक्त कर दो। मैं कोई चोर या ठग नहीं हूँ। मैं एक गरीब युवक हूँ। आखिर मैंने ऐसा क्या अपराध कर दिया है कि शाही सैनिकों ने मुझे बंदी बना लिया और एक अपराधी की भाँति न्यायालय में आपके समक्ष ले आए।''

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. ज्योतिषी ने युवक के मन का संशय दूर करते हुए कहा, कि बेटा तुम चिंता मत करो। तुम्हारे नक्षत्र तुम्हारे पक्ष में हैं, वही तुम्हें यह सम्मान दिलाएँगे। भले ही तुम कोई विशेष कर्म करो या न करो। शाही सम्मान तो तुम्हें मिलेगा ही।

2. तेनालीराम ने युवक के घर के बाहर खड़े होकर युवक और उसकी माँ की बातचीत सुनी।

3. युवक की माँ ने उसको समझाया कि, अगर तुम कोई काम करोगे ही नहीं, तो फिर रुपए आएँगे कहाँ से? रुपया-पैसा तो मेहनत करके कमाया जाता है।

4. परिश्रम या मेहनत का दुनिया में कोई विकल्प नहीं है। तुम्हारा कर्म ही तुम्हारा भाग्य है। अतः भाग्य का भरोसा करके निठल्ला मत बैठना।

(ग) किसने, किससे और क्यों कहा, कीजिए–

उत्तर– 1. ज्योतिषी से राजा द्वारा सम्मानित होने की भविष्यवाणी सुनकर युवक ने ज्योतिषी से कहा।

2. बिना कुसूर के युवक को बंदी बना लिए जाने पर युवक ने तेनालीराम से कहा।

3. युवक के प्रार्थना करने पर तेनालीराम ने युवक से कहा।

(घ) निम्नलिखित स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– 1. ज्योतिषी के पास एक छोटा **पिंजरा** रखा था।

2. तुम्हारे **नक्षत्र** तुम्हारे पक्ष में हैं, वही तुम्हें यह सम्मान दिलाएँगे।

3. हम **अमीर** हो जाएँगे, देखना।

4. यह सब आपके **ग्रहों** का दोष है।

भाषा-बोध

(क) निम्नलिखित शब्दों का सही मिलान कीजिए–

उत्तर–
- दिन → दिवस
- तोता → सुग्गा
- संशय → शक
- दक्षिणा → दान
- मूक → मौन

(ख) दिए गए शब्दों में प्रयुक्त संयुक्ताक्षर लिखो तथा उनसे बनने वाले दो-दो नए शब्द लिखिए–

उत्तर–

शब्द	संयुक्ताक्षर	नए शब्द	
अन्दर	**न्द**	**बन्दर**	**मन्दिर**
भाग्य	**ग्य**	**सौभाग्य**	**दुर्भाग्य**
प्राप्त	**प्त**	**समाप्त**	**सप्त**
मुक्त	**क्त**	**उक्त**	**व्यक्त**
कृत्य	**त्य**	**सत्य**	**नित्य**

(ग) विलोम शब्द पर सही (✓) का निशान लगाइए–

उत्तर–

दिन	–	दिवस		रात	(✓)
गरीब	–	अमीर	(✓)	निर्धन	
अंदर	–	भीतर		बाहर	(✓)
सजा	–	दंड		पुरस्कार	(✓)
सौभाग्य	–	भाग्यवान		दुर्भाग्य	(✓)

(घ) विशेषण का विशेष्य से मिलान कीजिए–

उत्तर–
- बड़ा → पिंजरा
- दयालु → राजा
- बूढ़ी → माँ
- परिश्रमी → युवक
- तीन → सैनिक

(ङ) रंगीन छपे शब्दों के लिंग बदलकर वाक्य दोबारा लिखिए–

उत्तर– 1. **बेटी**, तुम्हारा भाग्य तुम्हारे पक्ष में है।

2. **रानी** उद्यान में भ्रमण कर रही थीं।
3. **अपराधिनी** को उचित सजा मिली।
4. बीमार **पिता** ने अपने आलसी बेटे को सुझाव दिया।
5. घोड़ी बहुत तेज दौड़ी।

आइए कुछ करें

उत्तर– 1. स्वयं कीजिए

2. 'कर्म ही भाग्य है।' इस विषय पर एक अनुच्छेद लिखो।

उत्तर– कर्म ही भाग्य है।

आलस्य को मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु कहा गया है। यह एक ऐसा शत्रु है जो मनुष्य को विनाश की ओर ले जाता है। आलसी व्यक्ति भाग्य पर बहुत विश्वास करते हैं और वे प्रत्येक कार्य भाग्य के भरोसे ही छोड़ देते हैं। आलस्य का शिकार व्यक्ति कर्म से विमुख होकर और अपने सुख-दुख का कारण भाग्य को ही मानकर अपने जीवन का उद्देश्य भी भूल जाता है। अब यदि कोई व्यक्ति यथोचित एवं समयानुकूल कर्म न करने की ठान ले तो भला ईश्वर भी उसके लिए क्या कर सकता है। अतः व्यक्ति को आलस्य त्यागकर कर्म के पथ पर अग्रसर होना चाहिए। चींटी जैसे लघु जीव को ही देखो जो लगातार परिश्रम करती है और सफलता को प्राप्त करती है; हम तो आखिर मनुष्य हैं। मनुष्य होकर भी हम हाथ-पर-हाथ धरे बैठे रहें यह अशोभनीय है। अतः हमें परिश्रम करना चाहिए और अपने भाग्य को कर्म के अनुसार बनाना चाहिए। कर्म के द्वारा ही हम सफलता प्राप्त करके अपने जीवन को पूर्णतः सुखी बना सकते हैं।

3. आप अपने जीवन में परिश्रम को क्या महत्त्व देते हैं? इस विषय पर अपने विचार प्रकट करो।

उत्तर– हमारे जीवन में परिश्रम का बहुत महत्त्व है। हमें प्रत्येक कार्य के लिए परिश्रम करना होता है और तभी हमें सफलता प्राप्त होती है। अगर हम चाहें कि हमारे सामने रखा खाना स्वयं ही हमारे मुख में चला जाए तो यह कैसे संभव है। उसके लिए तो हमें कर्म करना ही होगा। परिश्रम से हर असंभव कार्य को भी संभव बनाया जा सकता है। अतः हमें अपने जीवन में परिश्रम के महत्त्व को नहीं नकारना चाहिए। परिश्रमी व्यक्ति को सर्वत्र प्रशंसा प्राप्त होती है।

उत्तर– 4. स्वयं कीजिए

कल्पना की दुनिया

उत्तर– स्वयं कीजिए

हमने सीखा

उत्तर– पढ़िए और समझिए

वर्तनी-बोध

उत्तर– पढ़िए और समझिए

13 सत्यवादी हरिश्चंद्र (कहानी)

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– **1.** राजा हरिश्चंद्र सत्यवादी, परोपकारी और दानशील राजा थे।

2. देवराज इंद्र ने हरिश्चंद्र की सत्यवादिता और दानशीलता की परीक्षा लेने का निर्णय लिया।

3. राजा हरिश्चंद्र ने अपने मंत्री को राजकोष से दक्षिणा के लिए धन लाने का आदेश दिया।

4. राजा हरिश्चंद्र की पत्नी का नाम तारामती और पुत्र का नाम रोहिताश्व था।

5. राजा हरिश्चंद्र ने तारामती से कर के रूप में साड़ी का आधा भाग माँगा।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– **1.** मुनि विश्वामित्र राजा हरिश्चंद्र की सत्यवादिता और दानशीलता की परीक्षा लेना चाहते थे।

2. मुनि विश्वामित्र ने महाराजा हरिश्चंद्र से दान में संपूर्ण राज्य माँगा।

3. राजा ने दक्षिणा की व्यवस्था स्वयं को, अपनी पत्नी और बच्चे को बेचकर की।

4. तारामती के कर देने में असमर्थ होने पर हरिश्चंद्र ने कहा, ''मैं अपने स्वामी की भक्ति के विरुद्ध कुछ भी नहीं कर सकता अर्थात तुम्हें श्मशान का कर देना ही पड़ेगा। उस कर से कोई मुक्त नहीं हो सकता। परंतु यदि तुम्हारे पास कुछ भी नहीं है तो तुम अपनी साड़ी का आधा भाग फाड़कर दे दो। मैं उसे ही कर के रूप में ग्रहण कर लूँगा।''

5. अंत में राजा हरिश्चंद्र की सत्यवादिता और दानशीलता से प्रसन्न होकर विश्वामित्र ने राजा का राजपाट लौटा दिया।

(ग) खाली स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– 1. प्राचीन काल में **हरिश्चंद्र** नाम का एक राजा था।
2. राजा ने ब्राह्मण को अपना संपूर्ण **राज्य** दान में दे दिया।
3. अब विश्वामित्र ने अपनी **दक्षिणा** माँगी।
4. राजा को श्मशान घाट के स्वामी **कालू** नामक डोम ने खरीद लिया।
5. राजा हरिश्चंद्र अपनी **सत्यवादिता** और **दानशीलता** के लिए अमर हो गए।

(घ) निम्नलिखित शब्दों का अपने शब्दों में वाक्य प्रयोग कीजिए–

उत्तर– सत्यवादिता – राजा हरिश्चंद्र अपनी **सत्यवादिता** के लिए अमर हो गए।
ससम्मान – विश्वामित्र ने राजा का राजपाट **ससम्मान** उन्हें लौटा दिया।
श्मशान घाट – **श्मशान घाट** में बहुत-सी चिंताएँ जल रही थीं।
विषैला – **विषैला** दूध पीने से बिल्ली की मृत्यु हो गई।

भाषा-बोध

(क) निम्नलिखित शब्दों के अनेकार्थी शब्द लिखिए–

उत्तर–

जगत्	–	**संसार**	**कुएँ के ऊपर का चारों ओर का चबूतरा**	**चेतन**
कर	–	**हाथ**	**टैक्स**	**करना (क्रिया)**
संस्कार	–	**नियम**	**सजाना**	**मनोवृत्ति या स्वभाव का शोधन**
घटना	–	**घटना (क्रिया)**	**कम होना**	**किसी बात का अचानक हो जाना**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

स्वार्थी	–	**स्वार्थरहित**	उपस्थित	–	**अनुपस्थित**
मृत्यु	–	**जीवन**	सत्यवादी	–	**मिथ्यावादी**
धैर्य	–	**व्यग्रता**	राजा	–	**रंक**
सम्मान	–	**असम्मान**	प्राचीन	–	**नवीन**
सुख	–	**दुख**	परिचित	–	**अपरिचित**

(ग) निम्नलिखित शब्दों के लिंग बताइए–

उत्तर– पुत्र	–	**पुल्लिग**	घोड़ा	–	**पुल्लिग**
दरबार	–	**पुल्लिग**	शांति	–	**स्त्रीलिंग**
डोम	–	**पुल्लिग**	साड़ी	–	**स्त्रीलिंग**
मुनि	–	**पुल्लिग**	रानी	–	**स्त्रीलिंग**
राजा	–	**पुल्लिग**	देवता	–	**पुल्लिग**
पहाड़	–	**पुल्लिग**	घड़ी	–	**स्त्रीलिंग**

आइए कुछ करें

1. सत्य बोलने वाले को सब पसंद करते हैं तथा झूठ बोलने वाले को नापसंद क्यों? इस विषय पर अपने विचार प्रकट करो।

उत्तर– सत्य बोलने वाले को सब पसंद करते हैं तथा झूठ बोलने वाले को कोई भी व्यक्ति पसंद नहीं करता। सत्य कितना भी कड़वा क्यों न हो फिर भी सभी व्यक्ति सत्य बोलने वाले व्यक्ति की ही बातों पर सब विश्वास करते हैं। सत्य बोलने से किसी भी सही व्यक्ति के अधिकारों का हनन नहीं होता, बल्कि उसकी सच्चाई भी सबके सामने आ जाती है।

2. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लघु निबंध लिखो–

उत्तर– (i) 'सत्यवादिता'

जिस प्रकार सोना आग में तप कर और कसौटी पर कस कर ही अपना अपना खरापन सिद्ध कर पाता है। ठीक उसी प्रकार व्यक्ति का खरापन भी तब ही सिद्ध हो पाता है जब वह समाज में सत्याचरण का प्रमाण दे पाता है। सत्य मानव-जीवन की अनमोल विभूति है, जो अपने प्रति, अपनी आत्मा के प्रति, अपने कर्त्तव्यों के प्रति, परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति मन-वचन-कर्म से सच्चा रहता है।

सत्य मानव जीवन की सबसे शुभ और कल्याणकारी नीति है। इसका अवलंबन लेकर चलने वाला व्यक्ति जीवन में कभी असफल नहीं होता। सत्य का आश्रय लेकर चलने पर आरंभ में कुछ कठिनाई हो सकती है, किंतु आगे चलकर उसका आशातीत लाभ होता है। सत्य, पुण्य की खेती है और यह मानव-जीवन को महानता तथा उत्कृष्टता के शिखर पर पहुँचाने वाला प्रशस्त और निरापद राजमार्ग है। सत्य-निष्ठा ही व्यक्ति को पाप कर्मों से निरत रखती है। सत्याश्रयी व्यक्ति का जीवन सुख और शांति से भरपूर होता है।

सत्य मनुष्य के सम्मान, प्रतिष्ठा और आत्मगौरव के लिए अयोग्य कवच के समान होता है। सत्यनिष्ठ व्यक्ति संसार में निर्भय होकर विचरण करता है और सभी के साथ स्पष्ट व्यवहार करता है। एक सत्य का आधार ही व्यक्ति को संसार सागर से पार कर देता है। महाभारत के उद्योग पर्व में आया है कि–

''सत्य स्वर्गस्य सोपानं पारावारस्थ नौटिव।''

समुद्र में नाव के समान सत्य स्वर्ग का सोपान है। सत्य से बढ़कर कोई धर्म नहीं है।

सत्य का तात्पर्य है–वाणी के साथ-साथ मन का भी सच्चा होना। जिस प्रकार सत्य का आचरण प्रत्येक दशा में कल्याणकारी होता है, उसी प्रकार असत्य का आचरण हर प्रकार से अमांगलिक होता है।

3. स्वयं कीजिए।

कल्पना की दुनिया

उत्तर– स्वयं कीजिए

हमने सीखा

उत्तर– पढ़िए और समझिए

वर्तनी-बोध

उत्तर– पढ़िए और समझिए

14 सूझ-बूझ (कहानी)

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. सुमेर बहुत ही योग्य और चतुर व्यक्ति था।

2. सुमेर ने राजा से कहा कि यदि आप दरबार में पाँच मिनट एकांत में मुझसे प्रतिदिन बात कर लें, तो इसके बदले में मैं प्रतिदिन आपकी सेवा में पाँच सौ स्वर्ण मुद्राएँ अर्पित करूँगा।

3. मंत्री ने सुमेर को एक हज़ार स्वर्ण मुद्राएँ दीं और कहा, ''देखिए, अब मेरी इज़्ज़त आपके हाथ में है।''

4. सुमेर ने पाँच करोड़ स्वर्ण मुद्राएँ एकत्र कर ली थी।

5. राजा सुमेर की ईमानदारी और स्वामिभक्ति से बड़े प्रसन्न हुए और उन्होंने उसे अपना महामंत्री नियुक्त कर दिया।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. पाँच मिनट में पाँच सौ स्वर्ण मुद्राओं का रहस्य जानने के लिए राजा ने सुमेर की बात मान ली।

2. सुमेर प्रतिदिन दरबार आता और पाँच मिनट राजा को एकांत में ले जाकर बात करता तथा फिर राजा के चरणों में पाँच सौ स्वर्ण मुद्राएँ रखकर चला जाता था।

3. राजा से वार्तालाप करते हुए सुमेर दरबार में उपस्थित एक मंत्री की ओर देखकर मुस्कराया। इसलिए मंत्री घबरा गया।

4. सुमेर ने राजा को सलाह दी कि, महाराज! राजा को सबके सामने किसी भी व्यक्ति से अकेले में बात नहीं करनी चाहिए। अन्यथा वह व्यक्ति राजा से अपनी निकटता का ढिंढोरा पीटकर लाभ कमा सकता है।

5. राजा से एकांत में बात करके जब सुमेर राजमहल से बाहर निकलता तब कोई-न-कोई मंत्री सुमेर को एक हजार स्वर्ण मुद्राएँ देता। इस तरह सुमेर के दिन बदलने लगे।

(ग) किसने, किससे और क्यों कहा, लिखिए–

उत्तर– 1. मंत्री के पुकारने पर सुमेर ने मंत्री से कहा।

2. मंत्री को सुमेर के ये कहने पर कि मैनें आपका काम करवा दिया है, मंत्री ने सुमेर से कहा।

3. मंत्रियों द्‌वारा एकत्र किया गया धन राजा को देने के लिए सुमेर ने राजा से कहा।

भाषा-बोध

(क) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य प्रयोग कीजिए–

उत्तर– उल्लू बनाना – **मूर्ख बनाना।**
राम ने श्याम को अवकाश के दिन स्कूल भेजकर उल्लू बनाया।

फूले न समाना – **बहुत खुश होना।**
अयोध्या वासी राम को देखकर फूले न समाए।

ढिंढोरा पीटना – **सबसे कहते फिरना, प्रचार करना।**
राजा ने अपने राज्य में ढ़िढोरा पिटवाया।

(ख) रेखांकित सर्वनाम पाठ में से किन संज्ञा शब्दों के लिए प्रयुक्त हुए हैं, लिखिए–

उत्तर– **1.** सुमेर, राजा। **2.** सुमेर, मंत्री।

3. सुमेर। **4.** राजा।

(ग) **निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–**

उत्तर–

चतुर	–	सयाना		मूर्ख	**(✓)**
राजा	–	रंक	**(✓)**	नृप	
इज़्ज़त	–	प्रतिष्ठा		बेइज्जत	**(✓)**
ईमानदारी	–	बेईमानी	**(✓)**	सच्चाई	
अनिवार्य	–	बहुमूल्य		वैकल्पिक	**(✓)**

आइए कुछ करें

उत्तर– **1.** स्वयं कीजिए **2.** स्वयं कीजिए

3. **दी गई वर्ग-पहेली से विविध देशों की मुद्राओं के नाम ढूँढकर लिखो–**

उत्तर–

	रु	यू	रो	पा
	प	टा	का	उ
क	या	त	डॉ	ण
पी	रि	या	ल	ड
सो			र	

भारत	–	**रुपया**	सूडान	–	**पाउंड**
म्यांमार	–	**क्यात**	मकाओ	–	**पटाका**
जर्मनी	–	**यूरो**	मलेशिया	–	**डॉलर**
क्यूबा	–	**पीसो**	ईरान	–	**रियाल**

कल्पना की दुनिया

उत्तर– स्वयं कीजिए

हमने सीखा

उत्तर– पढ़िए और समझिए

वर्तनी-बोध

उत्तर– पढ़िए और समझिए

15 सच्चा न्याय (कहानी)

आओ अभ्यास करके देखें

(क) **निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–**

उत्तर– **1.** सिकंदर अपने राज्य की जनता के सुख-दुःख का बहुत खयाल रखता था और उसकी प्रजा भी उसे बहुत चाहती थी। वह एक न्यायप्रिय सम्राट होने के साथ-साथ महान सम्राट भी था।

2. लोगों के बीच एक डाकू ने आतंक फैला रखा था।

3. सिकंदर महान ने डाकू से उच्च स्वर में कहा, "तुम क्षमा के योग्य नहीं हो। तुम घोर पापी और दुराचारी हो। तुमने मेरी प्रजा का सुख-चैन लूटा है। असहाय लोगों का रक्त बहाया है। तुम्हें तुम्हारे पापों की कड़ी सजा दी जाएगी। अगर तुम अपनी सफ़ाई में कुछ कहना चाहते हो, तो कह सकते हो।"

4. सैनिकों के साथ हुई झड़प से डाकू घायल हो गया था।

5. डाकू द्वारा सिकंदर को भी दोषी बताने पर राजदरबार में चारों ओर खामोशी छा गई।

(ख) लेखनी से (लिखित) उत्तर दो–

उत्तर– 1. सिकंदर अपने राज्य की जनता के सुख-दुःख का पूरा ध्यान रखता था। उसकी प्रजा अपने सम्राट को बहुत चाहती थी और उसका हृदय से आदर करती थी।

2. सैनिक डाकू को बंदी बनाकर सिकंदर के सामने लाए।

3. डाकू ने सिकंदर के बारे में कहा कि वह भी दूसरे राज्य पर आक्रमण करता है, कितना रक्त बहाता है, निर्दोष सैनिकों को मारता है, कितनी ही स्त्रियों को विधवा बना देता है और वह भी तो हत्याएँ करता है अर्थात वह भी मृत्युदंड का अधिकारी है।

4. डाकू ने अपना बाकी का जीवन मानव सेवा में बिताया था।

5. इस कहानी से हमें न्याय और अन्याय में भेद करना तथा मानव धर्म की सेवा करने की शिक्षा मिलती है।

(ग) सही विकल्प के सामने (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर– 1. न्यायप्रियता

2. मानव-सेवा में

(घ) निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–

उत्तर–

कुख्यात	–	अँगुलिमान एक **कुख्यात** डाकू था।
न्यायप्रिय	–	राजा हरिश्चंद्र एक **न्यायप्रिय** राजा थे।
आश्वासन	–	गीता ने बबीता को घर आने का **आश्वासन** दिया।
दरिया	–	**दरिया** का पानी ठंडा है।

भाषा-बोध

(क) भाववाचक संज्ञा बनाइए–

उत्तर– महान	–	**महानता**	वीर	–	**वीरता**
योग्य	–	**योग्यता**	भूखा	–	**भूख**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर– कुख्यात	–	**विख्यात**	डाकू	–	**साधु**
सज़ा	–	**माफी**	न्याय	–	**अन्याय**
राजा	–	**रंक**	ताकतवर	–	**कमजोर**
शांत	–	**अशांत**	दुराचारी	–	**सदाचारी**

(ग) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो अर्थ लिखिए–

उत्तर– जीवन	–	**प्राण**	**जिंदगी**	धन	–	**द्रव्य**	**संपत्ति**
कर	–	**हाथ**	**टैक्स**	प्राण	–	**श्वास**	**जान**
रक्त	–	**रुधिर**	**खून**	गुण	–	**अच्छाई**	**स्वभाव**

(घ) निम्नलिखित संयुक्ताक्षर से बनने वाले दो-दो शब्द लिखिए–

उत्तर– च्च	–	उच्च	**बच्चा**	**सच्चा**
न्य	–	न्याय	**अन्य**	**वन्य**
ख्य	–	कुख्यात	**विख्यात**	**ख्याल**
म्म	–	हिम्मत	**सम्मत**	**अम्मा**

(ङ) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर– सम्राट	–	**राजा**	**नृप**
सज़ा	–	**दंड**	**जुर्माना**
दरिया	–	**नदी**	**समुद्र**
ज़मीन	–	**पृथ्वी**	**धरती**
क्षमा	–	**माफी**	**करमुक्त (दण्डमुक्त)**
न्याय	–	**उचित बात**	**नीति**

(च) दिए गए शब्दों के शुद्ध रूप पर (गोला) लगाइए–

उत्तर– कुखयात	कूख्यात	(कुख्यात)
(निर्दोष)	नीर्दोष	निर्दोश
अस्वाशन	(आश्वासन)	आशवासन
खमोशी	खामोसी	(खामोशी)

आइए कुछ करें

उत्तर– **1.** स्वयं कीजिए **2.** स्वयं कीजिए **3.** स्वयं कीजिए

4. स्वयं कीजिए **5.** स्वयं कीजिए

6. इस पाठ में आए विदेशज या विदेशी शब्दों को छाँटकर लिखो–

उत्तर– रक्त, इंसाफ, जमीन, सज़ा।

कल्पना की दुनिया

उत्तर– **1.** स्वयं कीजिए **2.** स्वयं कीजिए

हमने सीखा

उत्तर– पढ़िए और समझिए

वर्तनी-बोध

उत्तर– पढ़िए और समझिए

16 दोहे (दोहे)

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– **1.** हवा पाने के लिए भी हाथ से पंखा डुलाना होता है अर्थात परिश्रम करना पड़ता है।

2. संत परहित के लिए जीते हैं।

3. आज का काम कल पर नहीं छोड़ना चाहिए, क्योंकि यदि कल को हम पर कोई आपत्ति आ जाए तो काम हो ही नहीं पाएगा।

4. सुई का काम दो वस्तुओं को आपस में जोड़ना (सिलना) है।

5. संत का परहित का गुण महत्त्वपूर्ण है।

6. यदि हम सुख में भी ईश्वर का सुमिरन करें तो हमें दुख ही नहीं प्राप्त होगा।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– **1.** विद्या और धन परिश्रम द्वारा पा सकते हैं।

2. पेड़ अपने फलों को स्वयं न खाकर दूसरों को देता है।

3. जो करना है, वह तुरंत करना चाहिए, क्योंकि आने वाले पल में क्या होगा यह किसी को नहीं पता होता।

4. रहीम जी कहते हैं कि कभी भी किसी बड़ी वस्तु या व्यक्ति को देखकर छोटे के अस्तित्व को नहीं नकारना चाहिए, क्योंकि जहाँ सूई का काम होता है वहाँ तलवार की कोई आवश्यकता नहीं होती अर्थात् कपड़े सिलने के लिए सुई की आवश्यकता होती है न कि तलवार की।
5. हम सुख में इतने मग्न हो जाते हैं कि हमारे पास ईश्वर को याद करने का समय ही नहीं होता और जब दुख आता है तो हमारे पास समय-ही-समय होता है ईश्वर को याद करने का। जबकि हमें सुख-दुख दोनों में ही ईश्वर के अस्तित्व को स्वीकारना चाहिए और निरंतर ईश्वर का सुमिरन करना चाहिए।
6. बहुत ज्यादा चुपचाप रहने पर परिस्थितियाँ हमारे विपरीत हो जाती हैं। अतः किसी बात पर चुप रहना कोई समाधान नहीं है।

(ग) दोहों की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

उत्तर– (i) तरुवर फल नहीं **खात है, सरवर पिए न नीर।**
परहित ही के कारण, संतन धरा सरीर।।

(ii) काल करे सो **आज कर, आज करे सो अब।**
पल में परलै होएगी, बहुरि करोगे कब।।

(iii) जाति न पूछो **साधु की, पूछ लीजिए ग्यान।**
मोल करो तलवार का, पड़ा रहन दो म्यान।।

भाषा-बोध

(क) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए–

उत्तर– विद्या – **व् + इ + द् + य् + आ**
परहित – **प् + अ + र् + अ + ह् + इ + त् + अ**
रहिमन – **र् + अ + ह् + इ + म् + अ + न् + अ**
तलवार – **त् + अ + ल् + अ + व् + आ + र् + अ**
सुमिरन – **स् + उ + म् + इ + र् + अ + न् + अ**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर–

तरुवर	–	**वृक्ष**	**पेड़**	सरवर	–	**सरोवर**	**तालाब**
तलवार	–	**असि**	**खड्ग**	शरीर	–	**देह**	**तन**

(ग) निम्नलिखित शब्दों से नये शब्द बनाइए–

उत्तर–

धन	–	**धनवान**	**निर्धन**	**धनिक**	**निधन**
फल	–	**फलाहारी**	**सफल**	**निष्फल**	**विफल**
हार	–	**कंठहार**	**मनुहार**	**बलिहार**	**व्यवहार**
मान	–	**सम्मान**	**अपमान**	**यजमान**	**फरमान**
रूप	–	**रूपवान**	**रूपमती**	**रुपया**	**रुपहला**

(घ) निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध रूप में लिखिए–

उत्तर–

तरुवर	**तरूवर**	मौल	**मोल**
रहीमन	**रहिमन**	सूमिरन	**सुमिरन**

आइए कुछ करें

उत्तर– 1. स्वयं कीजिए **2.** स्वयं कीजिए **3.** स्वयं कीजिए

4. दिए गए चित्र में रंग भरो और इससे मेल खाता दोहा लिखो–

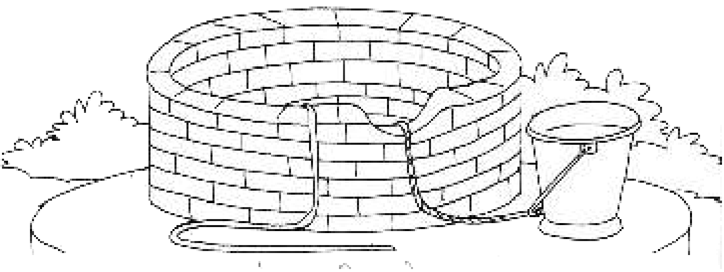

उत्तर– करत-करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान।
रसरी आवत-जात ते, सिल पर परत निसान।।

कल्पना की दुनिया

उत्तर– स्वयं कीजिए

हमने सीखा

उत्तर– पढ़िए और समझिए

वर्तनी-बोध

उत्तर– पढ़िए और समझिए

17 फूलों का नगर (कहानी)

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– **1.** गुरु वशिष्ठ ने अमृत और शांतनु से कहा कि अहिंसा का मार्ग अपनाना तथा सदा प्रकृति की रक्षा करना।

2. शांतनु ने राजा बनते ही शिकार पर जाना शुरू कर दिया।

3. शांतनु अमृत के राज्य पर आक्रमण करना चाहता था।

4. अमृत ने दुश्मन की सेना पर मधुमक्खियों द्वारा हमला करवाकर दूरदर्शिता का परिचय दिया।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– **1.** अमृत ने राजा बनते ही शिकार पर पूर्णतः प्रतिबंध लगा दिया और जगह-जगह पेड़ लगवाने शुरू कर दिए।

2. शांतनु ने हरे-भरे वृक्षों को कटवाकर उसने कई नगर बसवाए और धीरे-धीरे उसके राज्य में गिने-चुने पेड़ ही बाकी रह गए, जिसकी वजह से पर्यावरण असंतुलित हो गया और सूखा पड़ने लगा।

3. शांतनु की सेना को पीछे हटाने का काम मधुमक्खियों ने किया। जब शांतनु सेनासहित अमृत के राज्य में घुसा, तब असंख्य मधुमक्खियों ने हमला बोल दिया और शांतनु की सेना को काटने लगी तब उसकी सेना भाग गई।

4. अमृत ने शांतनु को बहुत-सा धन और फूलों के बीजों के बोरे देकर सहायता की।

(ग) निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तर– **1.** हम आपकी **आज्ञा** अवश्य मानेंगे।

2. उसने राजा बनते ही **शिकार** पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया।

3. सुबह की पहली किरण के साथ ही वह उठकर **बगीचे** में चला गया।

4. अब उनकी **तलवारें** भी किसी के काम की नहीं रहीं।

5. मैं भी अपने राज्य को तुम्हारे जैसा ही **फूलों का नगर** बनाऊँगा।

भाषा-बोध

(क) निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर–	गुरु –	**शिक्षक**	**अध्यापक**	**आचार्य**
	राजा –	**सम्राट**	**नृप**	**नरपति**
	उपवन –	**बगीचा**	**उद्यान**	**वाटिका**
	फूल –	**पुष्प**	**सुमन**	**कुसुम**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–	गुरु	**लघु**	प्रसन्न	**अप्रसन्न**	प्रतिबंध	**मुक्त**
	राजा	**रंक**	बंदी	**आजाद**	युद्ध	**शांति**

(ग) निम्नलिखित शब्दों के लिंग परिवर्तन कीजिए–

उत्तर–	गुरु	**गुरुआइन**	राजा	**रानी**	शिष्य	**शिष्या**
	घोड़ा	**घोड़ी**	बूढ़ा	**बुढ़िया**	बालक	**बालिका**

(घ) निम्नलिखित शब्दों का उदाहरण के अनुसार वर्ण-विच्छेद कीजिए–

उत्तर– राजकुमार – **र् + आ + ज् + अ + क् + उ + म् + आ + र् + अ**
प्रकृति – **प् + र् + अ + क् + ऋ + त् + इ**
पर्यावरण – **प् + अ + र् + य् + आ + व् + अ + र् + अ + ण् + अ**
खूबसूरती – **ख् + ऊ + ब् + अ + स् + ऊ + र् + अ + त् + ई**

आइए कुछ करें

उत्तर– 1. स्वयं कीजिए **2.** स्वयं कीजिए **3.** स्वयं कीजिए

4. 'पेड़-पौधे पर्यावरण का अभिन्न अंग हैं।' इस विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए।

उत्तर– पेड़-पौधे पर्यावरण का अभिन्न अंग हैं।

पेड़-पौधे प्रकृति की अनुपम देन हैं और पेड़-पौधों ने ही पर्यावरण को शुद्ध बनाए रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया है। अगर पेड़-पौधे न होते तो मानव-जीवन भी नहीं होता। वृक्ष मानव के साथ-साथ जीव-जंतुओं के भी आश्रयदाता हैं। प्रकृति और मानव में अटूट संबंध है। पेड़-पौधे धरती के तापमान को नियंत्रित रखते हैं। पेड़-पौधों से ही वनों का निर्माण होता है तथा पर्यावरण में भी संतुलन बना रहता है। पेड़-पौधे ही पर्यावरण प्रदूषण को रोकने में सहायक हैं परंतु आज मनुष्य पेड़-पौधों को निरंतर काटता जा रहा है, जिसके कारण प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। पर्यावरण प्रदूषण के कारण साँस सम्बन्धी भयंकर बीमारियों का प्रकोप दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। अतः पेड़-पौधे पर्यावरण के साथ-साथ मानव जीवन का भी अभिन्न अंग हैं। अतः हमें उनकी रक्षा करनी चाहिए और अधिक-से-अधिक पेड़-पौधे लगाने चाहिए।

कल्पना की दुनिया
उत्तर– स्वयं कीजिए
हमने सीखा
उत्तर– पढ़िए और समझिए
वर्तनी-बोध
उत्तर– पढ़िए और समझिए

18 बहादुर बालक (एकांकी)

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. वंश पिकनिक के बारे में गाँव के बाहर अमराई में एक बंगले में जाने का सुझाव देता है।
2. बाग के पास भूत-बंगला जैसी खतरनाक चीज स्थित थी।
3. बच्चों ने बाग में छुपकर कुछ आकृतियों को देखा।
4. वंश ने टायर की हवा निकालने के लिए रहीम से कहा।
5. चोर थैला और हथियार लेकर बंगले से बाहर आए थे।
6. इंस्पेक्टर ने बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि, मैं सरकार से सिफारिश करूँगा कि तुम्हें बहादुरी का पुरस्कार दिया जाए। तुम सब बच्चों को भी पुरस्कार और प्रमाण-पत्र मिलेंगे।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. प्रतीक और खुशी ने अमराई जाने से इसलिए इंकार कर दिया, क्योंकि वहाँ बाग में बंगले में भूत-प्रेत रहते थे।
2. बालक बंगले का रहस्य जानने के लिए बंगले के पास बाग में छिपकर बैठा गए।
3. बच्चों ने पुलिस को चोरों के बंगले में होने की सूचना दी तथा चोरों की कार के टायरों की हवा निकाल दी, जिससे पुलिस के आने पर चोर भाग न सके। अतः इस प्रकार बच्चों ने चोरों को पकड़वाया।
4. **वंश के चरित्र की पाँच विशेषताएँ हैं–**
1. वंश एक निडर और बहादुर बच्चा है।

2. वंश पढ़ाई में होशियार लड़का है।
3. वंश एक समझदार लड़का है।
4. वंश प्रत्येक कार्य को सोच-समझकर करता है।
5. वंश की वजह से चोर पकड़े गए तथा गाँव में चोरी होनी भी बंद हो गई।

(ग) निम्नलिखित जिसने कहा उसका नाम लिखिए–

उत्तर–

1.	**रहीम**	:	ये लोगों के फैलाए गए भ्रम हैं।
2.	**पुलिस इंस्पेक्टर**	:	तुम्हें बहादुरी का पुरस्कार दिया जाएगा।
3.	**रहीम**	:	मुझे लगता है कि वे लोग कुछ गड़बड़ कर रहे हैं।
4.	**प्रतीक**	:	उनके हाथ में संदूक है।

(घ) निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–

उत्तर–

दृश्य	चाँदनी रात में बगीचे का **दृश्य** बड़ा ही मनोहारी होता है।
निपटारा	पुलिस के आने पर झगड़े का **निपटारा** हो गया।
बहादुरी	बच्चों को उनकी **बहादुरी** का पुरस्कार मिला।
पुरस्कार	प्रधानाचार्य ने बच्चों को **पुरस्कार** दिया।
सिफ़ारिश	सुरेश ने **सिफ़ारिश** से नौकरी प्राप्त की।
पुरस्कार	गणतंत्र दिवस पर सबसे सुंदर झाँकी को **पुरस्कार** दिया गया।
भूत-प्रेत	बंगले में **भूत-प्रेत** रहते हैं।

भाषा-बोध

(क) सर्वनाम तालिका पूरी कीजिए–

उत्तर–

मैं	–	**मेरा**	**हमारा**	तुम	–	**तुमने**	**तुम्हारा**
वह	–	**उस**	**उसका**	कौन	–	**किसने (किन्होंने)**	**किसका**

(ख) संज्ञा से विशेषण बनाइए–

उत्तर–

चतुराई	**चतुर**	बहादुरी	**बहादुर**
होशियारी	**होशियार**	गरीबी	**गरीब**
सफ़ेदी	**सफ़ेद**	दिन	**दैनिक**

(ग) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर–

बाग	–	**उपवन**	**बगीचा**	आदमी	–	**मानव**	**इंसान**
अध्यापक	–	**शिक्षक**	**गुरु**	बालक	–	**शिशु**	**लड़का**

(घ) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर– पास – **दूर**
जलना – **बुझना**
सच – **झूठ**
बहादुरी – **कायरता**
शांत – **अशांत**
अंदर – **बाहर**

(ङ) इनके दो-दो अर्थ लिखो–

उत्तर– जलना < **जल जाना** / **चिढ़ना**

कर < **हाथ** / **टैक्स**

पानी < **लज्जा** / **जल**

पर < **श्रेष्ठ** / **अन्य/दूसरा**

बस < **पर्याप्त** / **गाड़ी**

पास < **निकट** / **उत्तीर्ण होना**

आइए कुछ करें

उत्तर– 1. स्वयं कीजिए

2. दिए गए चित्र का वर्णन चार वाक्य लिखकर करो–

उत्तर– 1. पाँच बच्चे आपस में अच्छे मित्र थे।
2. पाँचों मित्र एक दिन बाग में खेलने के लिए गए।
3. बच्चे भूत-प्रेत का खेल खेलने लगे।
4. उनमें से एक बच्चा भूत बन गया।
5. अन्य चार बच्चे उस भूत बने बच्चे से डर गए।

कल्पना की दुनिया

उत्तर– स्वयं कीजिए

हमने सीखा

उत्तर– पढ़िए और समझिए

वर्तनी-बोध

उत्तर– पढ़िए और समझिए

19 वस्तु एवं सेवा कर (जी एस टी लेख)

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– **1.** किसी राज्य द्वारा व्यक्तियों या विविध संस्थाओं से जो अधिभार या धन लिया जाता है, उसे कर कहते हैं।

2. विभिन्न करों को हटाकर पूरे देश के लिए एक ही अप्रत्यक्ष कर प्रणाली लागू करने के लिए जीएसटी को प्रारंभ किया गया।

3. नहीं, जीएसटी प्रत्यक्ष कर नहीं है।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– **1.** जीएसटी एक खपत आधारित कर (consumption based tax) है जिसका मतलब है कि जिस राज्य द्वारा जिस उत्पाद या सेवा का सेवन किया जाता है, वहीं राज्य कर जमा करेगा, ना की वह राज्य जहाँ उसका उत्पादन हुआ था। जीएसटी टैक्स सिस्टम 'दोहरी जीएसटी' (Dual GST) का रूप लेगा जो केंद्रीय और राज्य सरकार द्वारा समवर्ती लगाया जाता है।

2. जीएसटी एक सरल, समान कर प्रणाली है। इसको शुरू करने के पीछे सरकार का एजेंडा है 'एक राष्ट्र, एक कर।' यह भारतीय व्यवसायों और निर्माताओं से करों के तनाव को कम करने जा रहा है जिससे उन्हें कम कर देना पड़ेगा।

जीएसटी निश्चित रूप से करदाताओं की संख्या में वृद्धि करेगा, जो टैक्स की दरों को कम करने में मदद करेगा क्योंकि अधिक लोग कर जमा करेंगे।

वस्तु एवं सेवा कर (Goods and Service Tax) के लागू होने से सरकार एवं साधारण जनता दोनों का फायदा होगा। जीएसटी को लागू करने के पीछे का उद्देश्य समस्त लाभों को अर्जित करना है।

3. जीएसटी से निम्न लाभ प्राप्त होंगे–

(i) जीएसटी के आ जाने से सभी प्रकार के अप्रत्यक्ष कर समाप्त हो जाएँगे जिसकी वजह से व्यापारियों को अलग-अलग प्रकार के करों के बदले एक ही कर का भुगतान करना पड़ेगा।

(ii) इससे टैक्स व्यवस्था सरल हो जाएगी और एक कर के ऊपर किसी अन्य कर के लगने की संभावना कम हो जाएगी।

(iii) विभिन्न प्रकार के अप्रत्यक्ष करों के समाप्त हो जाने से कर की दर कम हो जाएगी जिससे वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य में कमी आ जाएगी।

(iv) जीएसटी प्रक्रिया एक श्रृंखला प्रणाली के रूप में कार्य करेगी जिससे करों की चोरी करना अत्यंत कठिन हो जाएगा।

(v) इसके अंतर्गत सभी राज्य सभी वस्तुओं पर एक समान दर से कर लगाएँगे जिसके कारण देश के प्रत्येक भाग में सभी वस्तुएँ एक समान मूल्य पर मिलेंगी।

4. जीएसटी काउंसिल ने चार तरह के कर निर्धारित किए हैं ये हैं–5, 12, 18 एवं 28 प्रतिशत। हालांकि बहुत-सी चीजों को जीएसटी से छूट दी गई है। उन वस्तुओं पर कोई भी कर नहीं लगेगा अथवा जीएसटी नहीं लगेगा जबकि लग्जरी एवं महँगे सामान पर जीएसटी के अलावा सेस भी लगेगा। सरकार के अनुसार इसमें से 81 प्रतिशत चीजें जीएसटी की 18 प्रतिशत की श्रेणी तक आएँगी।

आदर्श स्थिति में एक व्यवस्था में समस्त कर एक ही दर पर लगाए जाने चाहिए, किंतु भारत में राज्य व केंद्र तथा एक ही वस्तु या सेवा पर भिन्न-भिन्न राज्यों में भिन्न दरें आदि होने से प्रारंभ में 4 दरें निर्धारित की गईं ताकि वर्तमान राजस्व में अधिक अंतर न पड़े। ये चार दरें 5%, 12%, 18% तथा 28% हैं। आवश्यक वस्तुओं जैसे कि दूध, लस्सी, दही, शहद, फल एवं सब्जियाँ, आटा, बेसन, ताजा मीट, मछली, चिकन, अंडा, ब्रेड, प्रसाद, नमक, बिंदी, स्टांप, न्यायिक दस्तावेज, छपी पुस्तकें, समाचार-

पत्र, चूड़ियाँ और हैंडलूम आदि वस्तुओं पर जीएसटी नहीं लगेगा। 20 लाख से कम की वार्षिक बिक्री वाले व्यापारियों को इस कर व्यवस्था से छूट दी गई है।

5. जीएसटी लागू होने से केंद्र को तो फायदा होगा लेकिन राज्यों को इस बात का डर था कि इससे उन्हें नुकसान होगा क्योंकि इसके बाद वे कई तरह के टैक्स नहीं वसूल पाएँगे, जिससे उनकी कमाई कम हो जाएगी। गौरतलब है कि पेट्रोल व डीजल से तो कई राज्यों का आधा बजट चलता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए केंद्र ने राज्यों को राहत देते हुए मंजूरी दे दी है कि वे इन वस्तुओं पर शुरुआती सालों में टैक्स लेते रहें। राज्यों का जो भी नुकसान होगा, केंद्र उसकी भरपाई पाँच साल तक करेगा।

भाषा-बोध

(क) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द पर गोला (◯) लगाइए–

उत्तर– प्रत्यक्ष	–	सीधा	उल्टा	(अप्रत्यक्ष)
स्वतंत्र	–	आजाद	मुक्त	(परतंत्र)
लचीला	–	साफ	मुलायम	(कठोर)
समाप्त	–	अंतिम	(प्रारंभ)	आखिरी

(ख) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो नाम लिखिए–

उत्तर– दिक्कत	–	**परेशानी**	**मुसीबत**
सुधार	–	**संशोधन**	**परिहार**
व्यवस्था	–	**प्रणाली**	**इंतजाम**

आइए कुछ करें

उत्तर– **1.** स्वयं कीजिए **2.** स्वयं कीजिए।

कल्पना की दुनिया

उत्तर– स्वयं कीजिए

हमने सीखा

उत्तर– पढ़िए और समझिए

वर्तनी-बोध

उत्तर– पढ़िए और समझिए

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. बालक विश्वेश्वरैया ने छः वर्ष की आयु में प्रकृति की शक्ति को पहचाना।

2. विश्वेश्वरैया का जन्म कर्नाटक के मुद्देनाहल्ली नामक स्थान पर 15 सितंबर 1861 को हुआ था।

3. 1875 में विश्वेश्वरैया ने सेंट्रल कॉलेज में प्रवेश लिया। डिग्री परीक्षा में सन् 1880 में विशेष योग्यता के साथ सफल होने के बाद उन्होंने पुणे के साइंस कॉलेज में प्रवेश लिया। मैसूर (कर्नाटक) राज्य सरकार से छात्रवृत्ति पाने के कारण वह ऐसा कर पाए। 1883 में सिविल इंजीनियरिंग की परीक्षा में प्रथम आए।

4. मुंबई और हैदराबाद में रहकर विश्वेश्वरैया ने पीने के पानी की वितरण परियोजना तथा बाढ से बचाव की परियोजना के क्षेत्र में काम किया।

5. मैसूर शहर में कन्नमबाड़ी या 'कृष्णराज सागर बाँध' बनाना एक प्रमुख काम था। इसकी योजना 1909 में बनाई गई थी जो 1932 में पूरी हुई। यह बाँध 124 फुट ऊँचा था जिसमें 48,000 मिलियन घन फुट पानी को एकत्रित किया जा सकता था। इसका उपयोग 15,000 एकड़ भूमि की सिंचाई और 60,000 किलोवाट ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए था।

तब तक कृष्णराज सागर बाँध भारत में बना सबसे बड़ा जलाशय था। विश्वेश्वरैया सौंदर्य–प्रेमी इंजीनियर थे। अत: उन्होंने इस बाँध के पास एक सुंदर बाग लगवाया। इसे वृंदावन गार्डन के नाम से जाना जाता है।

6. मैसूर आने वाला प्रत्येक यात्री वृंदावन गार्डन देखना चाहता है। यहाँ फव्वारों का जलप्रपात, पक्षी, आकर्षक फूलों की छटा देखते ही बनती है।

7. सन् 1955 में उन्हें भारत का सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' प्रदान किया गया!

(ख) सही उत्तर पर (✓) का चिह्न लगाओ–

उत्तर– 1. मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया **2.** कर्नाटक

3. इंजीनियर **4.** कृष्णराज सागर बाँध

5. सुंदर बाग **6.** **1955**

(ग) बाईं ओर दिए गए शब्द का सही रूप रिक्त स्थान में भरो (उदाहरण के लिए पहला वाक्य देखो)

उत्तर– निर्माण : विश्वेश्वरैया कृष्णराज सागर बाँध के **निर्माता** थे।

योग्य : वे विशेष **योग्यता** के साथ उत्तीर्ण हुए।

छात्र : विश्वेश्वरैया को **छात्रवृत्ति** मिली।

चरित्र : वे एक **चरित्रवान** इंजीनियर हैं।

सम्मान : विश्वेश्वरैया को 'भारत रत्न' से **सम्मानित** किया गया।

(घ) निम्नलिखित वाक्य किसने, किससे कहे–

उत्तर–

	कथन	**किसने कहा? किससे कहा?**
1.	क्या मैं बंगलौर जा सकता हूँ।	**विश्वेश्वरैया ने अम्मा से**
2.	तुम्हारा मामा अमीर नहीं है।	**अम्मा ने विश्वेश्वरैया से**
3.	मैं अपनी जरूरतों के लिए स्वयं कमाउँगा।	**विश्वेश्वरैया ने अम्मा से**
4.	मैं सत्य की तह तक पहुँचने वाला व्यक्ति हूँ।	**विश्वेश्वरैया ने पं० नेहरू से**

पढ़िए और लिखिए

उत्तर– स्वयं करें।

भाषा-बोध

(क) बिजली चमकती है। बादल **बरसता** है।

सूरज **निकलता** है। धूप **निकलती** है।

(ख) निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर– आकाश – **आसमान, नभ** जल – **पानी, नीर**

बादल – **मेघ, जलधर** सूर्य – **सूरज, दिनकर**

हवा – **वायु, समीर**

(ग) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर– अमीर – **गरीब** जन्म – **मरण/मृत्यु**

सत्य – **असत्य** आशा – **निराशा**

स्वीकार – **अस्वीकार**

(घ) निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन शब्द बनाइए–

उत्तर– नाली – **नालियाँ** पुस्तक – **पुस्तकें**

नदी – **नदियाँ** योजना – **योजनाएँ**

रोटी	–	**रोटियाँ**	बाँध	–	**बाँधों**

(ङ) दिए गए शब्दों से नवीन शब्द रचना कीजिए–

उत्तर–	**अवश्य**	**आवयक**	**आवश्यकता**
	वर्ष	**नववर्ष**	**वार्षिक**
	आकर्षक	**अत्याकर्षक**	
	स्वर्ग	**स्वर्गवास**	**स्वर्गवास**

आइए कुछ करें

- **देश में कुछ अन्य बाँध भी बनाए गए हैं। उनके नाम तथा संबंधित राज्य के बारे में पता करो।**

उत्तर–	**भाखड़ा बाँध**	**पंजाब**
	सरदार सरोवर बाँध	गुजरात
	टिहरी बाँध	उत्तराखंड
	हीराकुड बाँध	ओडिशा

- **मैसूर का नाम कर्नाटक हो गया है। इन राज्यों/शहरों के नए नाम पता करो।**

उत्तर–	मद्रास	**चेन्नई**	कलकत्ता	**कोलकाता**
	बंबई	**मुम्बई**	बंगलौर	**बंगलुरु**
	त्रिवेंद्रम	**तिरुवनंतपुरम**	पांडिचेरी	**पुडुचेरी**
	उत्तरांचल	**उत्तराखंड**	बड़ौदा	**वडोदरा**

- **गीता पुस्तक पढ़ रही थी।**

उत्तर– गीता पुस्तक पढ़ रही थी।

- **अध्यापिका पढ़ा रही थी।**

उत्तर– अध्यापिका पढ़ा रही थी।

वर्तनी-बोध

उत्तर– स्वयं करें।

कल्पना की दुनिया

उत्तर– स्वयं करें।

हमने सीखा

उत्तर– पढ़कर समझिए।

21

सच्चे मित्र

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– **1.** बेक को सत्य से प्रेम था जबकि निकोलस को असत्य से। एक निर्भीक था जबकि दूसरा कायर, एक मेहनती था तो दूसरा आलसी।

2. निकोलस ने सोचा, कोई ऐसा काम करना चाहिए जिससे सबको मजा आ जाए। उसने इधर–उधर नजर दौड़ाई। उसने देखा कि सामने खिड़की में साफ शीशा लगा हुआ है। उसके हाथ आगे बढ़ गए। एक साधारण–सा धक्का और शीशा टूट गया।

3. बेक ने मित्रता निभाने के लिए शीशा तोड़ने का अपराध अपने ऊपर ले लिया।

4. बेक को दंड मिलने के बाद निकोलस शर्म से पानी-पानी हो गया उसकी आँखों में आँसू भर गए वह बेक के त्याग का ऋणि हो गया।

5. चालीस साल बीत जाने के बाद निकालेस न्यायाधीश बन गया और बेक सेनानायक।

6. निकोलस अपने पुराने मित्र बेक को पहचान गया। वह कर्तव्य से बँधा था। उसने कुछ सोचकर निर्णय दिया–''चार दिन बाद सबको फाँसी दे दी जाए।''

7. निकोलस घोड़े पर चढ़कर लंदन गया।

8. निकोलस ने प्रार्थना करते हुए कहा कि–''बेक ने ही मुझे इस स्थान पर पहुँचाया है। यदि बेक मेरे अपराध को अपने ऊपर न लेता तो मेरे मन में सत्य की ज्योति नहीं जगती। मैं कायर ही बना रहता। मैं अपने प्यारे मित्र के लिए आपसे क्षमादान चाहता हूँ।''

9. क्रॉमवेल बड़ा ही कठोर था। निकोलस और बेक की मित्रता की कहानी ने उसकी भी आँखों में आँसू छलका दिए। उसने क्षमादान का पत्र लिखकर निकोलस को देते हुए कहा–''आखिर मैं भी तो मनुष्य हूँ, निकोलस।''

10. इस कहानी से हमने सीखा की सच्ची मित्रता वही है जो सुख-दुख में साथ निभाए। बुरे समय में सच्चा मित्र ही सहायता करता हैं।

(ख) निम्नलिखित पंक्तियों के उनके क्रमानुसार लिखिए–

उत्तर– 1. निकोलस की आँखों में आँसू थे। 2
2. क्रॉमवेल ने क्षमादान पत्र लिखकर दे दिया। 6
3. हाथ के साधारण धक्के से शीशा टूट गया। 1
4. राजतंत्रवादियों और प्रजातंत्रवादियों के बीच युद्ध चल रहा था। 3
5. चार दिन बाद सबको फाँसी की सजा। 4
6. पसीने से लथपथ निकोलस का क्रॉमवेल के कमरे में पहुँचना। 5
7. निकोलस द्वारा बेक को भुजाओं में कसना। 7

(ग) सही शब्दों को चुनकर खाली स्थान भरिए–

उत्तर– 1. निकोलस और बेक **वेस्टजिस्टर** में पढ़ते थे।
2. **निकोलस** ने खिड़की का शीशा तोड़ दिया।
3. निकोलस **कायर** था।
4. क्रॉमवेल बहुत **कठोर** हृदय था।

भाषा-बोध

उत्तर– स्वयं करें।

कल्पना की दुनिया

उत्तर– स्वयं करें।

हमने सीखा

उत्तर– पढ़िए और समझिए

22 देश हमें देता है सब कुछ (लेख)

आओ अभ्यास करके देखें

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए–

उत्तर– 1. देश हमें सब कुछ देता है।
2. हमारी भूख मिटाने को धरती पर खेती होती है।
3. पथिकों को तपती दोपहर में छाया पेड़ देते हैं।
4. वृक्ष हमें देना सिखाते हैं।
5. नया उजाला करने के लिए मेहनत के दीप जलाने की आवश्यकता है।

(ख) कविता की निम्नलिखित पंक्तियों को पूरी कीजिए–

उत्तर– 1. जो अनपढ़ हैं **उन्हें पढ़ायें**
जो चुप है उनको वाणी दें।
पिछड़ गये **जो उन्हें बढ़ायें**
प्यासी धरती को पानी दें।

2. हम मेहनत के **दीप जलाकर**
नया **उजाला करना** सीखें
देश हमें देता है **सब कुछ**
हम भी तो कुछ देना सीखें।

भाषा-बोध

(क) निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए–

सूरज	–	**सूर्य**	**रवि**	**भानू**
धरती	–	**भू**	**भूमि**	**धरा**
तरु	–	**पेड़**	**वृक्ष**	**विटप**
वाणी	–	**आवाज**	**स्वर**	**जुबान**
फूल	–	**पुष्प**	**सुमन**	**कुसुम**

(ख) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

रोशनी	**अँधेरा**	सुगंध	**दुर्गंध**
जीवन	**मृत्यु**	त्यागी	**स्वार्थी**
हित	**अहित**	अनपढ़	**पढ़ालिखा**
मेहनत	**आलस**	देश	**विदेश**

आइए कुछ करें

उत्तर– स्वयं करें।

कल्पना की दुनिया

उत्तर– स्वयं करें।

हमने सीखा

उत्तर– पढ़िए और समझिए।